दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

बलरामपुर
बुधवार, 07 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 95 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

सिंगल पापा का आ रहा है दूसरा ...8

दो हफ्ते में दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण के कारण बताएं

lqizhe dksVZ cksyk& ,DLiVZ ds lkFk cSBd djs lh,D;w,e

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर गंभीर चिंता व्यक्त की और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को समाधान सुझाने से पहले बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के प्रमुख कारणों की तत्काल पहचान करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से संबंधित कई याचिकाओं की सुनवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि स्पष्ट निदान के बिना, उपचारात्मक उपाय अप्रभावी रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने सीएक्यूएम को संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की सूची तैयार करने और दो सप्ताह के भीतर एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया,

ताकि सर्वसम्मति से दिल्ली के वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों का निर्धारण किया जा सके। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि सीएक्यूएम का यह कर्तव्य है कि वह विभिन्न संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर व्यापक और आंकड़ों पर आधारित मूल्यांकन करे। अदालत ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए, पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय वायु प्रदूषण पर स्वयं को ष्सर्वोच्च विशेषज्ञष् के रूप में स्थापित नहीं करेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित निर्णय समय पर और पारदर्शी तरीके से लिए जाएं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पहला चरण कारणों की पहचान करना है। समाधान बाद में आते हैं।ष उन्होंने प्रदूषण के स्रोतों के बारे में बिना सटीक जानकारी दिए अस्पष्ट या सामान्यीकृत दावों के प्रति आगाह किया। सीएक्यूएम के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संस्था बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के कारणों की पहचान करने या दीर्घकालिक समाधानों पर काम करने में ष्काई जल्दबाजी नहींष दिखा रही है। परिणामों की चेतावनी देते हुए, पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ मूल्यांकन और कार्रवाई में अत्यधिक देरी से केवल और अधिक जटिलताएं पैदा होंगी, खासकर तब जब दिल्ली को साल दर साल प्रदूषण संकट का सामना करना पड़ता है। अदालत ने सीएक्यूएम को निर्देश दिया कि वह साथ ही साथ दीर्घकालिक समाधानों पर भी विचार करना शुरू करे, लेकिन केवल उन कारकों के लिए जो अधिकतम प्रदूषण में योगदान दे रहे हैं।

इंदौर जल प्रदूषण पर एचसी सख्त, Chief Secretary तलब, 15 जनवरी को मांगी रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच ने मंगलवार को इंदौर के भागीरथपुरा जल प्रदूषण मामले की सुनवाई की और घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए अगली सुनवाई में मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव को 15 जनवरी को निर्धारित अगली सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने का निर्देश भी दिया। अदालत ने भागीरथपुरा मामले से संबंधित सभी याचिकाओं की एक साथ सुनवाई की, जिसमें इंदौर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश इनानी द्वारा दायर याचिका भी शामिल थी। एएनआई से बात करते हुए इनानी ने कहा, ष्मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर बेंच की खंडपीठ के समक्ष आज सुनवाई हुई। भागीरथपुरा मामले से संबंधित लगभग चार से पांच याचिकाओं की एक साथ सुनवाई की गई।

प्रदेश में घटाई गई स्टांप ड्यूटी

सेमीकंडक्टर सेक्टर में 3,000 करोड़ का निवेश

लखनऊ । यूपी कैबिनेट की मंगलवार को हुई बैठक में 13 अहम प्रस्तावों पर मंत्रीमंडल की मुहर लगी। इसमें सबसे प्रमुख फैसला स्टांप ड्यूटी

को लेकर था। इस फैसले के अनुसार अब व्यावसायिक भूमि का परिवार के सदस्यों के नाम करने पर मात्र 5 हजार रुपये स्टाम्प ड्यूटी और 1 प्रतिशत शुल्क ही लिया जाएगा। अभी तक यह सुविधा कृषि व आवासीय भूमि पर थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य में परिवार के सदस्यों के मध्य निष्पादित अचल संपत्ति के दान विलेख पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क में दी जा रही छूट के दायरे को और व्यापक करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

5,000 तक सीमित है स्टाम्प शुल्क

स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन अनुभाग–2 की 3 अगस्त 2023 की अधिसूचना के माध्यम से यह व्यवस्था की गई थी कि यदि अचल संपत्ति का दान परिवार के सदस्यों के पक्ष में किया जाता है तो स्टाम्प शुल्क में छूट देते हुए अधिकतम 5,000 ही लिया जाएगा। यह छूट अब तक केवल कृष्य एवं आवासीय संपत्तियों तक सीमित थी। योगी कैबिनेट द्वारा पारित प्रस्ताव के तहत इस छूट को पारिवारिक सदस्यों के मध्य व्यावसायिक एवं औद्योगिक संपत्तियों के दान पर भी लागू करने का निर्णय लिया गया है। इससे परिवारों के बीच संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और कम खर्चीली हो जाएगी।

यूपी की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी

2.89 करोड़ वोटर्स कटे, कहीं आप का नाम तो नहीं? ऐसे करें चेक

लखनऊ। 27 अक्टूबर को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों

में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से तीसरी बार स्थगित होने के बाद, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का मसौदा जारी किया। चुनाव आयोग ने मंगलवार को चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित किया। राज्य में मतदाता सूची से 28 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। मतदाता सूची का मसौदा पहले 31 दिसंबर को प्रकाशित होना था। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिन्वा ने पहले बताया था कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई थी। 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण के दौरान दावों और आपत्तियों पर निर्णय लिया गया।

सूची में नाम न होने पर क्या करें?

पिछले महीने, यूपी के मुख्य चुनाव आयुक्त रिनवा ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया थारू "जिन मतदाताओं का पता नहीं चल पा रहा है या जो लापता हैं और जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए 2003 की एसआईआर सूची में शामिल होने का प्रमाण या चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कोई भी दस्तावेज दिखाना होगा। रिनवा ने कहा कि चुनाव आयोग मसौदा मतदाता सूची में लगभग 12.55 करोड़ नामों को शामिल करने पर आपत्ति जताने वालों को भी आमंत्रित करेगा। ये आपत्तियां फॉर्म 7 भरकर दर्ज की जा सकती हैं। यदि मसौदा सूची में नाम के विरुद्ध आपत्ति वैध पाई जाती है, तो उसे सूची से हटाया जा सकता है। आप ये फॉर्म अवजमते.मबप.हवअ.पद पर ऑनलाइन या **ECINET** ऐप के माध्यम से जमा कर सकते हैं। ऑफलाइन विकल्प के रूप में बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क करना शामिल है।

उमर खालिद-शरजील के समर्थन में नारों से बवाल, प्रशासन ने दी सख्त एक्शन की चेतावनी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन

ने मंगलवार को कहा कि सोमवार शाम को परिसर में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों द्वारा नारे लगाते हुए सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो का उसने गंभीर संज्ञान लिया है। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि जेएनयूएसयू से जुड़े छात्रों के एक समूह ने अत्यंत आपत्तिजनक, उत्तेजक और भड़काऊ नारे लगाए, जिसके चलते अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई की। जेएनयू प्रशासन ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी ने घटना का गंभीर संज्ञान लिया है और विश्वविद्यालय की सुरक्षा शाखा को चल रही जांच में पुलिस के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि इस तरह की नारेबाजी लोकतांत्रिक असहमति के अनुरूप नहीं है, यह जेएनयू आचार संहिता का उल्लंघन करती है और इससे सार्वजनिक व्यवस्था, परिसर में सद्भाव और विश्वविद्यालय तथा राष्ट्र दोनों के सुरक्षा और संरक्षा वातावरण को गंभीर रूप से बाधित करने की क्षमता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार से दुखी जय राम ठाकुर, जन्मदिन पर बोले– यह हिंसा असहनीय

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता (एलओपी) जय राम ठाकुर ने मंगलवार को शिमला स्थित अपने आवास पर अपना 60वां जन्मदिन मनाया। पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ठाकुर ने अपने परिवार और सहयोगियों की उपस्थिति में केक काटकर अपने जीवन के छह दशक पूरे होने का जश्न मनाया। शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए ठाकुर ने कहा कि वे आने वाले वर्षों में भी उसी समर्पण के साथ अपना सामाजिक और राजनीतिक कार्य जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, जीवन के इस मुकाम तक पहुंचने में मेरी मदद करने वाले सभी लोगों का मैं आभारी हूं। चाहे मेरा राजनीतिक और सामाजिक जीवन हो या मेरा व्यक्तिगत सफर, मुझे अपार समर्थन

और सहयोग मिला है। मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश की जनता और पार्टी के प्रति आभार व्यक्त किया। सबसे पहले, मैं अपने सभी साथियों और राज्य की जनता का धन्यवाद करता हूं। मुझे हिमाचल प्रदेश की जनता का निरंतर प्रेम और स्नेह प्राप्त हुआ है, और इसी के कारण मैं अपनी यात्रा के इस मुकाम तक पहुंचा हूं। मुझे खुशी है कि यहां तक पहुंचने में मुझे पार्टी का अपार आशीर्वाद मिला है। मैं सभी का धन्यवाद करता हूं, उन्होंने आगे कहा, देवी–देवियों के आशीर्वाद से मुझे हिमाचल प्रदेश की जनता की सेवा करने का अवसर मिला। मैं भविष्य में भी सेवा करता रहूंगा। इस जन्मदिन पर मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे शुभकामनाएं और आशीर्वाद भेजे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं और परिवार की भूमिका को स्वीकार करते हुए ठाकुर ने कहा, धनिःसंदेह, मुझे जो शुभकामनाएं, प्रेम और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, उसके लिए मैं पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं का आभारी हूं। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में यहां तक घ्घ्पहुंचने में कार्यकर्ताओं ने हर कदम पर मेरा भरपूर समर्थन किया है। मेरे परिवार ने भी मुझे बहुत सहयोग दिया है। मैं उन सभी का आभारी हूं। संवाद के दौरान, जय राम ठाकुर ने बांग्लादेश की स्थिति, विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ष्बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को देखकर मैं बहुत दुखी हूं।

पंजाब बार्डर पर बीएसएफ–पुलिस का ऑपरेशन क्लीन

पाकिस्तान से आई 20 किलो हेरोइन जब्त, 4 गिरफ्तार

पंजाब में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर रेंज के साथ संयुक्त अभियान में एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप 19.980 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई और आपूर्ति श्रृंखला का संचालन करने वाले मुख्य संचालक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।प्रारंभिक जांच के अनुसार, पंजाब पुलिस ने खुलासा किया कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों से जुड़े थे और राज्य के कई जिलों में मादक पदार्थों की खेप की डिलीवरी और वितरण का समन्वय करते थे। मादक औषधि एवं मनोरोगी पदार्थ (एनडीपीएस)

अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और आपूर्ति मार्गों का पता लगाने, अतिरिक्त संचालकों की पहचान करने और पूरे नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए आगे की जांच जारी है। सीमा पार तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए, सीमा रेंज स्थित एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में 19.980 किलोग्राम हेरोइन बरामद की और आपूर्ति श्रृंखला का संचालन करने वाले मुख्य संचालक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों से जुड़े हुए हैं और पूरे क्षेत्र में मादक पदार्थों की खेप की डिलीवरी और वितरण का समन्वय कर रहे थे। एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और सीमा पार तस्करों की पहचान करने, आपूर्ति मार्गों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को नष्ट करने के लिए जांच जारी है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने लिखा, **"@Punjab PoliceInd #Punjab** में मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने और **#Punjab** में सक्रिय सीमा पार नशीले पदार्थों के नेटवर्क को नष्ट करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

वेनेजुएला के समर्थन में कश्मीर की सड़कों पर हुआ जोरदार प्रदर्शन, अमेरिका के विरोध में जमकर हुई नारेबाजी

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में आज माकपा की ओर से वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिका की आक्रामक नीतियों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। पार्टी कार्यकर्ता लाल झंडों के साथ सड़कों पर उतरे और अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि अमेरिका लगातार संप्रभु देशों के आंतरिक मामलों में दखल देकर वहां की जनता की लोकतांत्रिक इच्छाओं को कुचलने का प्रयास कर रहा है।

इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता एमवाई तारीगामी ने किया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला पर लगाए गये आर्थिक प्रतिबंध और सैन्य हमला तथा वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करना दरअसल आम जनता के जीवन पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में दवाइयों की कमी, खाद्य संकट और आर्थिक अराजकता के लिए अमेरिका की नीतियां जिम्मेदार हैं। तारीगामी ने कहा कि यह केवल वेनेजुएला का सवाल नहीं है बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है कि किस तरह वैश्विक ताकतें अपने हितों के लिए देशों को बंधक बना रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने साथ ही कहा कि अमेरिका लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में सत्ता परिवर्तन की साजिशें रचता रहा है। सीपीआईएम नेताओं ने केंद्र सरकार से भी मांग की कि वह अमेरिकी दबाव से दूर रहकर स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए और वेनेजुएला के लोगों के साथ एकजुटता प्रकट करे। हम आपको बता दें कि यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा लेकिन नारों और भाषणों में गहरी नाराजगी साफ दिखाई दी। माकपा कार्यकर्ताओं ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह दूसरे देश की तकदीर तय करे। देखा जाये तो यह विरोध उस गुस्से की अभिव्यक्ति थी जो आज दुनिया भर में अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ उबल रहा है। वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता कोई नई कहानी नहीं है।

ts,u;w fookn ij cksys ;wih ea=h jktHkj

विपक्ष का काम बस नारे लगाना, हंगामा करना है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित नारेबाजी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि विपक्षी दल केवल नारों, गीतों और शोर मचाने के माध्यम से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। राजभर ने कहा कि कुछ विपक्षी दल हैंय उनका काम सरकार का विरोध करना है, वे कभी नारों से, कभी गीतों से और कभी शोर मचाकर ऐसा करते हैं। यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 के उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों के पीछे कथित बड़ी साजिश से जुड़े एक मामले में उमर खालिद

और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज करने के फैसले के बाद आई है। हालांकि, कोर्ट ने गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि उमर खालिद और शरजील इमाम अभियोजन और सबूतों दोनों के लिहाज से गुणात्मक रूप से अलग स्थिति में हैं। राजभर ने विकसित भारत – रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी–जी राम जी) विधेयक, 2025 की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण श्रमिकों के लिए एक लाभकारी पहल बताया। उन्होंने कहा, यह एक अच्छी पहल है, लोगों को 125 दिनों का काम मिलेगा, और जिन भुगतानों का भुगतान नहीं हो रहा था, उन्हें 7 दिनों के भीतर देने की बात कही जा रही है। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार के नए वीबी–जी राम जी अधिनियम के विरोध में "एमजीएनआरईगा बचाओ" नाम से तीन चरणों का राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है।

कवि सम्मेलन, मुशायरा– लहरों का आघात सहा है, फिर भी कुछ भी नहीं कहा है

डा. वी.के. वर्मा के साहित्यिक योगदान पर विमर्श

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। साहित्यिक संस्था अदबी संगम द्वारा वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' की अध्यक्षता में पटेल एस.एम. एच. हासिपटल एवं पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा के सभागार में कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ होम्योपैथ के चिकित्सक और साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा के साहित्यिक और सामाजिक सराकारों पर विमर्श के साथ ही उन्हें ' साहित्य शिल्पी' सम्मान से सम्मानित किया गया वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि डा. वी.के. वर्मा अपने भीतर एक साथ कई विमर्श समेटे हुये हैं। वे एक समर्थ चिकित्सक के रूप में जहां पीड़ित लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाते हैं वहीं उनकी रचनाधर्मिता में मानवता सर्वोपरि है। कहा कि 'मानवता के स्वर', 'काव्य मुखी', 'युग चित्र', 'भावानुभूति', 'काव्य सौरभ', 'भाव मन्थन', लघु कथा संग्रह 'सोच' और कोविड–19 काव्य संग्रह' जैसी कृतियाँ साहित्य जगत में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। कहा कि उनके द्वारा रचित महाकाव्य 'सिद्धार्थ से तथागत' अति शीघ्र पाठकों के सम्मुख होगा। कहा कि डा. वी.के. वर्मा साहित्य के क्षेत्र में बड़ी संभावना के कवि हैं। प्रसिद्ध कवि विनोद कुमार उपाध्याय 'हर्षित' ने कहा कि डा. वर्मा ने चिकित्सक और साहित्यकार दोनों क्षेत्रों में स्वयं को सिद्ध किया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डा. वर्मा ने कहा कि वे अपने अनुभवों और समाज के विभिन्न पहलुओं को काव्य में ढालने का प्रयास करते हैं। कोराना के समय जब पूरी मानवता डरी हुई थी तो वे मरीजों की सेवा के साथ ही कोविड–19 काव्य संग्रह की रचना का धर्म भी निभा रहे थे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कवि सम्मेलन और मुशायरे की शुरूआत अर्चना श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना से हुई। विनोद कुमार उपाध्याय 'हर्षित' की रचना 'मोजिजा ऐसा मोहब्बत में हुआ करता है, दिल का दरवाजा निगाहों से खुला करता है, को सराहा गया। साहित्य भूषण सतीश आर्य ने कुछ यूं कहा– मैं हूं आनन अगर, तुम नयन हो मेरे, मै नयन हूं अगर तुम हो काजल प्रिये' सुनाकर वाह वाही लूटी। डा. वी.के. वर्मा की रचना ' लहरों का आघात सहा है, फिर भी कुछ भी नहीं कहा है, जिसका पुरसाहाल न कोई, उसका मैने हाथ गहा है' सुनाकर मंच को नईदिशा दी। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगगम' ने कुछ यूं कहा– 'नया वर्ष कुछ ऐसा कर दे, सबके उर में खुशियां भर दे, सोते हैं जो फुटपाथों पर उन्हें एक छोटा सा घर दे' सुनाकर रचनात्मक संदेश दिया। संचालन करते हुये डॉ. अफजल हुसेन 'अफजल' के शेर ' हमने बोये थे फूल राहो में, किसने बोये बबूल राहों में' के द्वारा वर्तमान हालात पर रोशनी डाली। कवि सम्मेलन और मुशायरे में काजी अनवार पारसा, सागर गोरखपुरी, दीपक सिंह प्रेमी, हरिकेश प्रजापति, जगदम्बा प्रसाद भावुक आदि की रचनाये सराही गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन पटेल एस. एम.एच. हासिपटल एवं पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा के डायरेक्टर डा. आलोक रंजन ने किया।

पूरी तरह से पारदर्शी है सफाई कर्मचारी संघ का चुनाव-अजय कुमार आर्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य और महामंत्री मनसाराम चौधरी ने जिलाधिकारी को सम्बोधित पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। पत्र में कहा गया है कि संघ की चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और नियमानुसार प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप कराया गया है। कुछ संघ और सफाईकर्मी विरोधी ताकते पूर्व मंत्री मनोज कुमार चौहान को भ्रम में रखकर उनके हस्ताक्षर और संघ के पैड़ का दुरूपयोग करा रही है। यही नहीं कथित अधिवेशन की तिथि तक घोषित कर देने की बात कहीं जा रही है, यह नियमों के विरूद्ध है। संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य और महामंत्री मनसाराम चौधरी ने पत्र देने के बाद कहा कि पूर्व मंत्री मनोज कुमार चौहान द्वारा संघ के पैड़ का दुरूपयोग किया जाना विधि विरूद्ध है। आवश्यकता पड़ी तो प्रदेश नेतृत्व द्वारा उनके इस प्रकार के गतिविधियों पर कार्रवाई की जायेगी। प्रदेश अध्यक्ष बसन्त लाल गौतम और महामंत्री रामेन्द्र श्रीवास्तव को उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी दे दी गई है। संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने कहा कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया प्रदेश अध्यक्ष बसन्त लाल गौतम और महामंत्री रामेन्द्र श्रीवास्तव के दिशा निर्देश के अनुरूप चुनाव अधिकारी रणजीत कुमार गौतम की देख रेख सम्पन्न कराया गया है। चुनाव पर सवाल खड़ा करने वाले संघ और सफाई कर्मियों के हितैषी नही है। उन्होने मांग किया कि पैड़ के दुरूपयोग और अधिवेशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाया जाय।

भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रथम आगमन पर किसान मोर्चा के लोगों ने किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश भाजपा नेतृत्व में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के प्रथम बार भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय आगमन पर भाजपा किसान मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी के राधेश्याम पांडेय, हरिशंकर राय, आत्मा प्रसाद पाठक, देवेश राय, क्षेत्रीय महामंत्री रामानन्द उर्फ नन्हे, क्षेत्रीय मंत्री रत्नेश कुमार पांडेय, संजय सिंह सैंथवार, मनोज राय, अंजनी कुमार सिंह, नवीन कुमार राय, फणींद्र चंद सोनू, जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह, दिलीप पांडेय, विनय कुमार सिंह, पवन कुमार मिश्रा, सुरेंद्र चौबे, सचिंद्र सिंह, अजय राय, अजय शर्मा, संजय यादव, एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुधाकर पांडे, अरुण भारती, बलराज सिंह, स्वतंत्र कुमार सिंह, विजय प्रताप सिंह, वरुण पांडेय, परशुराम राकेश सिंह, शुक्ल, रविंद्र दहिवाल, संजय सिंह, पदाधिकारियों के साथ किसानों का शस्त्र, हल एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज बना अखाड़ा नर्स व एएनएम में मारपीट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के एक वार्ड में तैनात दो नर्स के बीच मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस मामले में दोनों ने सदर थाना में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में सोमवार को पीआईसीयू में तैनात नर्स और लेबर रूम में तैनात एएनएम भिड़ गई। दोनों में जमकर गाली–गलौज और हाथापाई हुई। किसी तरह से आसपास के स्वास्थ्य कर्मियों ने मामले को शांत करवाया। कोई आवास में पानी गिराने को लेकर विवाद बता रहा है तो कुछ लोग कार्य को लेकर बात कर रहे हैं। हालांकि, मारपीट की वजह की पुष्टि नहीं हो सकी है। दोनों कर्मियों की भिड़ंत चर्चा का विषय रहा। दोनों पक्ष ने इस मामले में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में शहर कोतवाल दुर्गा प्रसाद ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है। जांच की जा रही है।

कैंसर अस्पताल बनवाने के नाम पर शिक्षकों से अवैध वसूली

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। उत्तर प्रदेशीय माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे ओमप्रकाश शर्मा के नाम पर कैंसर अस्पताल बनवाने के नाम पर कुछ लोग शिक्षकों से अवैध तरीके से चंदा वसूली का मामला सामने आया है। यह आरोप शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने लगाया है। बताया कि ओमप्रकाश शर्मा के नाम पर कैंसर अस्पताल बनाने की कोई योजना न वर्तमान में है और न ही भविष्य में ही है। जो लोग उनके नाम पर चंदा के रूप में अवैध वसूली कर रहे हैं, वह पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि उनके पुत्र प्रो. अखिल प्रकाश ने भी ऐसे किसी तरह योजना से इन्कार किया है। कहा है कि यदि कही कोई ऐसा करते मिला तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि स्व. ओमप्रकाश शर्मा मेरठ निर्वाचन क्षेत्र से छह बार विधान परिषद सदस्य रहे हैं।

दबंगों ने देशी शराब की दुकान में घुसकर किया चाकू से हमला

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। जोगिया थाना क्षेत्र में दबंगों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब वे खुलेआम कानून व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। जोगिया.पकड़ी मार्ग स्थित देशी शराब की दुकान पर आधा दर्जन से अधिक दबंगों ने दुकान में घुसकर अनुज्ञापी के पुत्र पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दबंग शराब लेने के बाद पैसे देने को लेकर विवाद करने लगे। कहासुनी के दौरान दबंगों ने अचानक चाकू निकालकर अनुज्ञापी के पुत्र पर हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में चाकू आर–पार हो गया। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के समय दबंगों का दुकान में घुसते और हमला करते हुए वीडियो दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। पीड़ित ने जोगिया थाने में तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला मुख्यालय पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मतदाता रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ बुद्ध बालिका महाविद्यालय गौतमपल्ली भीमापार सिद्धार्थनगर से किया गया। भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के अन्तर्गत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 06.01.2026 से 06.02.2026 तक है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची दिया गया है। सभी लोग सूची में अपना नाम देख सकते है। उसमें यदि कोई त्रुटि है, तो आपत्ति एवं दावे 06.02. 2026 तक दिये जायेंगे, जिसका निस्तारण कराया जायेगा। अन्तिम प्रकाशन 06.03.2026 को कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने उपस्थित बच्चों से कहा कि आप लोग फार्म–06 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लें। यदि किसी को कोई समस्या हो तो सम्बन्धित बीएलओ से सम्पर्क कर सकते हैं अथवा तहसील से भी सम्पर्क कर सकते है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है। वेबसाइट **www-ceouttar pradesh-nic-in** बटन पर क्लिक करके मतदाताओं द्वारा अपने से सम्बन्धित विवरण की पुष्टि की जा सकती है। मतदाता https:@@ electoralsearch-in पर भी अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते है। अपने मोबाइल में म्बपदमज ।चच टवजमत एवं भ्मसच स्पदम ।चच डाउनलोड करके भी उक्त सेवायें प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त उपजिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानप्रकाश व अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

शोहरतगढ़ पुलिस ने पोक्सो व एस.सी./एस. टी. एक्ट के वांछित अभियुक्त को भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को शोहरतगढ़ पुलिस ने पोक्सो व एस.सी./एस. टी. से सम्बंधित एक वांछित अभियुक्त को गिरतार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। उक्त की जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस उपनिरीक्षक संतोष यादव मय हमराह द्वारा दिनांक 06 जनवरी 2025 को समय 12:05 बजे, मुखबिर खास की सूचना पर कस्बा शोहरतगढ़ के चेतिया मोड़ के पास से अभियुक्त मुस्ताक पुत्र अल्ताफ हुसैन उर्फ लल्ले, निवासी ग्राम हरखड़ी, थाना पचपेड़वा, जनपद बलरामपुर, उम्र करीब 23 वर्ष को गिरतार किया गया। गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध थाना शोहरतगढ़ में पंजी.त मु0अं0सं0 227/2025, धारा 137(2), 87, 64(2)(उ) बीएनएस, 5L/6 पोक्सो एक्ट एवं 3(2)(अ) **SC/ST** एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज है। पुलिस ने नियमानुसार विधिक कार्रवाई पूर्ण कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु भेज दिया है।

एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 9 जनवरी को

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय/माडल कॅरियर सेन्टर बस्ती द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन पूर्वान्ह 11 बजे से स्थान क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मूड़घाट रोड बस्ती में किया जा रहा है। यह जानकारी जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने दी उन्होंने बताया की इस मेले में प्रतिष्टित कम्पनी भारत शीट लिमटेड (जॉइंट वेंचर सुजकी मोटर) मे मशीन आपरेटर पद पर पुरुष व महिला दोनों वर्ग के अभ्यार्थियों के लिए जिनका वेतनमान 15000/ CTC(08 hour) + 8/ hour इन हैण्ड वेतन निर्धारित हैद्य योग्यतारू (12 पास ॉ आई०टी०आई पास) है व दूसरे नियोजन एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस बस्ती बीमा सलाहकार के पद हेतु वेतनमान कमीशन बेस पर आधारित शैक्षिक योग्यता इंटर से स्नातक पास पुरुष व महिला वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार के माध्यम से चयनित करने हेतु आ रहे हैं इच्छुक अभ्यर्थी अपने बायोडाटा के साथ 9 जनवरी 2026 को क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मूड़घाट रोड बस्ती मे पूर्वान्ह 11:00 बजे से निःशुल्क प्रतिभाग सकते है। अथवा इच्छुक जाबसीकर सेवायोजन पोर्टल rojgaarsangam-up-gov-in पर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस कार्य हेतु कोई मार्गव्यय देय नही होगा ।

कान्हा गोशालाओ में नियुक्त पशु चिकित्सको की लापरवाही आ रही सामने

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने पशु चिकित्सक का रोका वेतन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। जनपद में स्थापित कान्हा गोशालाओ में नियुक्त पशु चिकित्सको की लापरवाही अब सामने आ रही है जहां आये दिन निर्धारित स्थलो से गायब रहते है वही सरकारी योजनाओ का लाभ भी ग्रामीणो को नही मिल पाता यही हाल रहा जब जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने डुमरियागंज नगर पंचायत के शाहपुर स्थित कान्हा गोशाला का निरीक्षण किया। चिकित्सक द्वारा कम निरीक्षण किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित पशु चिकित्सक का वेतन रोकने तथा उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि डॉक्टर द्वारा गोवंश की नियमित जांच की जाए। डीएम के निरीक्षण के दौरान गोशाला में 105 गोवंश संरक्षित थे। डीएम ने स्टॉक रजिस्टर, डॉक्टर, अधिकारी निरीक्षण रजिस्टर को देखा और गोवंश को गुड़ और केला खिलाया। गोवंश के लिए हरा चारा, भूसा, पोषाहार की व्यवस्था ठीक रखने और उन्हें ठंड से बचाव के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश ईओ सचिन कुमार पटेल को दिए। इसके बाद डीएम ने बेंवा चौराहा से बहराइच मार्ग को जोड़ने वाली निर्माणाधीन पिच रोड का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी के अफसरों को आवश्यक निर्देश दिए।

डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ ने पीएम को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के बैनर तले मंगलवार को सिंचाई विभाग, ड्रेनेज खण्ड, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश के डिप्लोमा इंजिनियर्स महासंघ द्वारा अवर अभियन्ता संघ के सचिव राधेश्याम भारती के नेतृत्व में और लगभग दो दर्जन अवर अभियन्ताओं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग के गठन हेतु जारी दिनांक 3 नवम्बर 2025 के नोटिफिकेशन में पेंशन पुनरीक्षण एवं अन्य पेंशनरी लाभों को सम्मिलित करते हुए पेंशन को गैर अंशदायी और गैर वित्त पोषित बताने वाले क्लॉज एफ–3 तथा वित्त विधेयक 2025 में तिथि के आधार पर पेंशनरों में विभेद पैदा करने वाले अंश को हटाने की मांग की गई है। श्री भारती ने आगे बताया कि यह संघ शिक्षारत डिप्लोमा छात्रों, कार्यरत कार्मिकों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनर्स के हितों का संरक्षण करता है। 8वें वेतन आयोग के गठन के नोटिफिकेशन (3 नवम्बर 2025) में पेंशनर्स के विषय को सम्मिलित नहीं किया गया है। संघ ने विस्तार से सन्दर्भित पत्रों को ध्यान में रखते हुए इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की मांग की है। 8वें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण के विषय को सम्मिलित न किए जाने से प्रदेश के कार्मिकों में भारी असन्तोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट रूप से पेंशन के पुनरीक्षण एवं अन्य लाभों को वेतन आयोग की परिधि में लाते हुए इसके ज्मतउे वि त्मिमितमदबम में पेंशन के विषय को निम्नानुसार सम्मिलित किया गया था, ष्उन सिद्धान्तों की जांच करना, जिनसे पेंशन एवं अन्य सेवा नैवृत्तिक लाभों की संरचना शासित होनी चाहिए और इसमें इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि 1 जनवरी 2004 को अथवा उसके बाद नियुक्त केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारियों के सेवा नैवृत्तिक लाभ नई पेंशन योजना के दायरे में आते हैं, उन कर्मचारियों की पेंशन में संशोधन भी शामिल है, जो इन सिफारिशों के प्रभावी होने की तारीख से पहले सेवानिवृत्त हो जायेंगे।ष सचिव राधेश्याम भारती ने अपील की कि पेंशन पुनरीक्षण का विषय 8वें वेतन आयोग में सम्मिलित न किया जाना सेवानिवृत्त कार्मिकों के साथ भारी अन्याय है, जिसके फलस्वरूप उनका असन्तोष दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इस कारण आन्दोलन की बाध्यकारी स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं, जो कालान्तर में जनआन्दोलन में परिवर्तित भी हो सकती हैं। भारत सरकार से अनुरोध है कि वित्त विधेयक 2025 में पेंशनरों में तिथि के आधार पर विभेद पैदा करने वाले अंश को हटाया जाये। केंद्रीय 8वें वेतन आयोग के गठन के बारे में जारी नोटिफिकेशन के ज्मतउे वि त्मिमितमदबम में पेंशन पुनरीक्षण एवं अन्य पेंशनरी लाभों को सम्मिलित किया जाये। पेंशन को (**unfunded cost and non&contributory**) गैर अंशदायी और गैर वित्त पोषित बताने वाले क्लॉज सं0 (एफ–3) को हटाने के लिए समय पर सकारात्मक कार्यवाही की जाये, अन्यथा संघ द्वारा भविष्य में बड़ा आन्दोलन किया जायेगा। इस अवसर पर अवर अभियन्ता राधेश्याम भारती, अध्यक्ष भोलेन्द्र यादव, अभिषेक सिंह, राजीव यादव, मोहम्मद तल्हा, राजीव गुप्ता सहित अन्य अवर अभियन्ता मौजूद रहे।

खुनुवां के बगहवा चौराहे पर ट्रेलर के कुचलने से छात्रा हुई घायल, निजी अस्पताल में भर्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत खुनुवां के बगहवा चौराहे पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे एक सड़क हादसे में 14 वर्षीय छात्रा चावला गम्भीर रूप से घायल हो गई। चावला करहिया गांव निवासी अरविन्द कुमार की पुत्री है और कक्षा 9 की छात्रा है, जो बगहवा चौराहे स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ने जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक छात्रा खुनुवां से शोहरतगढ़ की ओर जा रही थी। इसी दौरान शोहरतगढ़ से खुनुवा की तरफ आ रहे ट्रेलर (संख्या न्च्70 फज 9051) ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। आपको बता दें कि ट्रेलर अचानक अपनी लेन से विपरीत दिशा में आ गया, जिससे छात्रा उसके पिछले पहिए से कुचल गई। हालांकि खुनुवां चौकी इंचार्ज वीरेन्द्र पासवान ने बताया कि ट्रेलर अपनी सही लेन में था। छात्रा अचानक गिर गई, जिसके बाद ट्रेलर का पिछला पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। यह ट्रेलर नेपाल जा रहा था और इसमें सीमेन्ट में मिलाने वाला पदार्थ लदा हुआ था। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लेकर शोहरतगढ़ थाने भेज दिया है। वहीं घटना के तुरन्त बाद छात्रा को उसके परिजन इलाज के लिए जिले के एक निजी अस्पताल ले गये हैं। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है। वहीं इस मामले में चौकी इंचार्ज खुनुवां ने कहा कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत (तहरीर) नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जायेगी। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

गरीब, असहाय व जरूरतमन्दों में विकास मिलिट्री स्टोर द्वारा कम्बल वितरण कार्यक्रम का अयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। पंचायत मरचा के टोला बिहरा में मंगलवार को विकास मिलिट्री स्ट्रोर के तत्वावधान में आयोजक विनोद शुक्ल ने सैकड़ों जरूरतमन्दों में कम्बल, मिलिट्री कोट, टोपी, मोजा आदि वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जनसूचना कार्यकर्ता देवेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। विकास मिलिट्री स्टोर द्वारा लगातार कम्बल वितरण का कार्य पूरे क्षेत्र में किया जा रहा है, जो बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने विकास मिलिट्री स्टोर के कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया। वहीं विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्र मिश्रा रहें। आपको बता दें कि कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे क्षेत्र में हमेशा सामाजिक व धार्मिक कार्य किया जाता है, जिसकी चर्चा पूरे जिले में बनी रहती है। विकास मिलिट्री स्टोर के माता जी के पूर्ण तिथि पर विगत वर्षों के भांति इस वर्ष की कम्बल वितरण किया गया। जितेन्द्र मिश्रा ने कहा कि विकास मिलिट्री स्टोर द्वारा लगातार सामाजिक व धार्मिक कार्य करती रहती है। उन्होंने कहा इस कड़ाके की ठंडक में हजारों जरूरतमन्दों में कम्बल, टोपी, कोट, मोजा आदि वितरण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना हम सब का परम सौभाग्य है। कार्यक्रम का संचालन सोनू यादव ने किया। वरिष्ठ समाजसेवी/जितेन्द्र मिश्रा ने भी की कार्यों की खूब सराहना की। उक्त अवसर पर विकास मिलिट्री स्टोर विनोद शुक्ला संस्थापक/अध्यक्ष, मुख्य अतिथि देवेश मणि त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक रामलौटन शुक्ला, परमात्मा प्रसाद, सुन्दरम शुक्ला, प्रमोद जायसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

खेतवल मिश्र गौशाला में तड़पती गौवंश, फूटी आंखें और नोचे गये शरीर अंग की शर्मनाक तस्वीरों का वीडियो हुआ वायरल, जांच के आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश राजेश शर्मा

जोगिया/सिद्धार्थनगर। गौवंश संरक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के बड़े–बड़े दावों की जमीनी हकीकत जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड जोगिया अन्तर्गत ग्राम पंचायत खेतवल मिश्र स्थित गौशाला में पूरी तरह उजागर हो गई। जिसका विडियो तेजी से वायरल हो रहा है। गौशाला के बाहर पहुंचते ही जो दृश्य सामने आया, वह खुद में कई सवाल खड़े करता है। मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ था। यानी जिन बेसहारा गायों की सुरक्षा और देखभाल के लिए यह गौशाला बनाई गई, वे अनवदर बन्द होकर तड़प रही थीं और मौके पर न कोई कर्मचारी मौजूद था, न चौकीदार और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी। यह साफ संकेत था कि गौशाला की पूरी व्यवस्था भगवान भरोसे छोड़ दी गई है। वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए डीएम ने रात में पशु चिकित्सा अधिकारी सहित कई अधिकारियों को भेजा। चारा की भी व्यवस्था की गई, साथ ही घायल गायों का इलाज भी किया गया। आपको बता दें कि जब गौशाला के मुख्य गेट का ताला खुलवाकर अन्दर प्रवेश किया गया, तो हालात और भी भयावह निकले। गौशाला परिसर में दो गायें अर्धमृत अवस्था में पड़ी थीं, जो असहनीय पीड़ा से कराह रही थीं। उनकी आंखें फूटी हुई थीं और शरीर पर गहरे व सड़ते हुए घाव थे। चारों ओर चील और कौवे उनके अंगों को नोचते हुए मंडरा रहे थे। यह दृश्य किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि एक गम्भीर प्रशासनिक अपराध का प्रमाण था। स्पष्ट था कि इन गायों को कई दिनों से न चारा मिला था, न पानी और न ही कोई पशु चिकित्सा सुविधा। गौशाला के नाम पर बना यह परिसर दरअसल मौत का बाड़ा बन चुका था। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि पूरी गौशाला में चारे का एक तिनका तक मौजूद नहीं था। न सूखा भूसा, न हरा चारा और न ही पीने के पानी की कोई समुचित व्यवस्था ही थी। जिन गौशालाओं के संचालन और रख–रखाव के लिए सरकार हर साल नियमित बजट जारी करती है, वहां यह सवाल खुद–ब–खुद खड़ा हो गया कि आखिर वह पैसा जा कहां रहा है? इस पूरे प्रकरण में

वित्तीय अनियमितताओं की आशंका भी गहराती जा रही है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौवंश संरक्षण को लेकर सख्त नीति और स्पष्ट निर्देशों के लिए जाने जाते हैं। निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए विशेष योजनाएं लागू की गई। गौशालाओं के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत किये गये और अधिकारियों को साफ निर्देश दिये गये कि गौमाता की उपेक्षा किसी भी हाल में न हो। लेकिन ब्लाक जोगिया के खेतवल मिश्र की यह गौशाला बताती है कि मुख्यमंत्री के आदेश यहां सिर्फ फाइलों तक सीमित रह गई, जबकि जमीनी स्तर पर उनकी खुलेआम अनदेखी हो रही है। वहीं स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि गौशाला की बदहाली को लेकर कई बार शिकायतें की गई, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। न कोई ठोस जांच हुई और न हालात सुधरे गये। गौशालाओं का नियमित निरीक्षण, चारा आपूर्ति, पशु चिकित्सा व्यवस्था और कर्मचारियों की तैनाती सीधे तौर पर बीडीओ की जिम्मेदारी होती है, लेकिन बीडीओ को इस गौशाला की बदहाली की जानकारी ही नहीं थी। वायरल वीडियो को संज्ञान में लेने के बाद जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिये हैं। डीएम ने कहा है कि मामले की विस्तृत जांच कराई जायेगी और जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाये जायेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही गौशाला की स्थिति में तत्काल सुधार, घायल गायों के इलाज और चारा–पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिये गये हैं।

चोरों ने पान की गुमटी का ताला तोड़कर किया चोरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

खुनुवां/सिद्धार्थनगर। थानाक्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत रविवार को विकास खण्ड शोहरतगढ़ के महला गांव के चौराहे पर स्थित पान की गुमटी का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी समेत गुटखा व सिगरेट उठा ले गये। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ के मदरहना जुनूबी निवासी सुरेश चौधरी महला चौराहा के पास पान की दुकान चलाते हैं। वह रविवार की रात गुमटी बन्द कर घर सोने चले गये। सुबह लोगों ने गुमटी का ताला टूटा देख पुलिस को जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह ने कहा कि चोरी की घटना की जानकारी हुई है। चोरी करने वालों की खोजबीन की जा रही है।

विधायक ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर व शाल ओढ़ाकर दी शुभकामनाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा–302 शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा ने अपने एवं अपने विधानसभा क्षेत्र के जनता

की तरफ से भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन जी को शुभेच्छा (मंगल कामना) प्रदान करने का अवसर मिला। इस दौरान विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंटकर और शाल ओढ़ाकर अपने परिवार एवं विधानसभा शोहरतगढ़ की जनता की तरफ से यशस्वी कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत किया और उन्हें उनके यशस्वी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान यशस्वी कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन जी का समय उन्हें प्रदान करने और उनका अभिनन्दन स्वीकार करने के लिए विधायक विनय वर्मा ने हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आपके कार्यकाल में भाजपा और एनडीए परिवार नई ऊंचाइयों को छुए जिसका हृदय से शुभकामना देता हूं।

गरीब सेवा फाउण्डेशन अध्यक्ष पप्पू शाह के दिशा–निर्देश पर हुआ कम्बल वितरण कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र इटवा अन्तर्गत बढ़ेपुरवा गांव में भीषण ठण्ड और शीतलहर के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित संस्था श्गरीब सेवा फाउण्डेशनश द्वारा मानवता की सेवा में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। गरीब सेवा फाउण्डेशन संस्था के अध्यक्ष पप्पू शाह के कुशल दिशा–निर्देशन पर तहसील क्षेत्र के इन्द्रीग्रान्ट टोला बढ़ेपुरवा में कम्बल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कम्बल वितरण कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों गरीब, असहाय, दिव्यांग और वृद्ध जरूरतमन्दों को ठण्डक से बचाव हेतु उच्च गुणवत्ता के कम्बल प्रदान किये गये। वहीं कड़ाके की ठण्ड के बीच यह राहत सामग्री पाकर लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कम्बल वितरण कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष पप्पू शाह ने कहा कि हमारी संस्था का संकल्प है कि कोई भी व्यक्ति सर्दी के कारण परेशान न हो। नर सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और हम इस सेवा

को जारी रखेंगे। कम्बल वितरण के समय एक भावुक क्षण भी आया, जब कई बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों ने कम्बल ओढ़कर संस्था के पदाधिकारियों और विशेषकर अध्यक्ष पप्पू शाह के सिर पर हाथ रखकर ढेरों दुआएं दीं। लोगों ने कहा कि इस मुश्किल वक्त में गरीब सेवा फाउण्डेशन का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है। वहीं कम्बल वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सभी प्रमुख पदाधिकारियों, सक्रिय सदस्यों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। गरीब सेवा फाउण्डेशन ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी कार्य जारी रहेंगे और अन्य क्षेत्रों में भी जरूरतमन्दों की मदद की जायेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष पप्पू शाह, उपाध्यक्ष रहीम शाह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिउल्लाह शाह, प्रबन्धक निजामुद्दीन, सचिव पिन्टू शाह, कोषाध्यक्ष अखलाक, संस्थापक अबू बकर, संचालक नसीबुल्लाह सहित जाबिर खान, असलम खान, मातिबुल्लाह नेता, मौलाना अब्दुल सलाम, साहब डॉक्टर मोहम्मद शमीम, पिंगल प्रजापति, राम भजन गौतम, पप्पू गौतम, राजेश गौतम, छोटू खान, अंकित सिंह, इरशाद शाह, अब्दुल सलाम शाह, सरफराज शाह, इरफान शाह, अफजल, कलीम आदि लोग मौजूद रहे।

गला काटकर हत्या का प्रयास करने वाली मां–बेटी पर पुलिस क्यों नहीं कर रही कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर अन्तर्गत ग्राम हरैया निवासी पीड़ित युवक ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि गला काटकर हत्या का प्रयास करने वाली मां–बेटी पर पुलिस कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है। जबकि मौके पर पुलिस पहुंचकर पीड़ित घायल युवक को मां–बेटी ने लहू–लुहान हालत में दिया था, जबकि पुलिस ने मेडिकल नहीं कराया पीड़ित युवक का आरोप कि घटित मामले में अब तक पुलिस क्यों शिथिल है। आखिर मां–बेटी को बचाने में कौन नई स्टोरी गढ़ रहा है। वहीं पीड़ित युवक को धमकाकर उल्टा–सीधा ब्यान लिया गया। पीड़ित युवक ने जमीन रजिस्ट्री न करने पर युवती हंसी व युवती की मां रूपाली पर ने उसका गला काटकर हत्या करने का प्रयास किया था। घटना 25 दिसम्बर 2025, समय 10 बजे दिन का है, जहां युवक के तहरीर पर कोतवाली जोगिया उदयपुर में अभी तक एफआईआर नहीं लिखी गई। वहीं पीड़ित युवक का कहना है कि अबकी बार मैं बच

गया, यदि पुलिस कोई कार्यवाही नहीं की, तो मेरी मौत निश्चित है। पीड़ित युवक के लिखे तहरीर में कहा कि युवती व युवती की मां ने कहा यदि जमीन रजिस्ट्री नहीं करोगे तो फर्जी मुकदमे में फंसाकर जीवन बर्बाद कर देंगे। बिन मां–बाप अनाथ पीड़ित युवक पर मां बेटी व युवती का पिता कई बार उत्पीड़न कर चुका हैं। उत्पीड़न का आडियो सुन व देखकर हो खान खड़े हो जायेंगे, फिर भी पुलिस शिथिल क्यों है। पीड़ित युवक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर से मिलकर रजिस्ट्री की प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग उठाई है। आपको बता दें कि युवती व युवती की मां और उसके पति पर थाना जोगिया उदयपुर में हरैया के ग्रामीणों ने फ्राड करने का भी आरोप लगाया था। आरोप में महिला रूपाली पूरे परिवार समेत फरार थी, पूरा मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वहीं बंगाल का निवासी बताकर सिद्धार्थनगर के ग्राम हरैया में युवती की मां रूपाली और उसका पति बलराम रहते हैं। सूत्रों की मानें तो रूपाली एवं पति बलराम बंगलादेशी हैं। जनपद सिद्धार्थनगर में भरे जा रहे एसआईआर में उसकी पहचान पत्र और उसके मायका के मां–बाप और उसके पति बलराम के माता–पिता के तह तक कब पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर कुण्डली खंगालेंगे।

फ्रॉड के पैसों को पुलिस ने कराया वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। साइबर फ्रॉड से सम्बंधित धनराशि 4000/– रुपया को थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा कराया गया वापस। डा0 अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर महोदय द्वारा साइबर जागरूकता अभियान व साइबर अपराध की रोकथाम के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के पर्यवेक्षण में थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर पर दिनांक 17.11.2025 को हुए साइबर फ्रॉड से सम्बंधित आवेदक आवेदिका उषा देवी निवासनी ग्राम पचपेड़वा थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर द्वारा एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराया गया कि आवेदिका के बैंक खाते से ।म्चै के माध्यम से कुल 4000/– रुपये निकाल लिया गया था । जिसके जांच के क्रम में श्री अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष खेसरहा के नेतृत्व में उ0नि0 रविप्रताप सिंह सेंगर जाँचकर्ता व उ0नि0 राघवेन्द्र प्रताप यादव प्रभारी साइबर सेल थाना खेसरहा मय साइबर सेल के प्रयास से फ्राड हुए कुल 4000/– रुपये को आवेदक के खाते में वापस कराया गया । सराहनीय कार्य करने वाली टीम अनूप कुमार मिश्र (थानाध्यक्ष खेसरहा) उ0नि0 राघवेन्द्र प्रताप यादव (प्रभारी साइबर सेल), उ0नि0 रवि प्रताप सिंह सेंगर (लिंक प्रभारी साइबर सेल व जाँचकर्ता अधिकारी) का0आप0 ग्रेड ठछै अभितोष अवस्थी का0 अभिषेक कुमार मौर्य म0का0 रम्भा यादव मौजूद रही।

नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में कब होगा दोहरी नागरिकता धारकों व नव धनबलियों पर होगी कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में प्रोपर्टी कारोबारी, बेरोजगारी के स्थित में सीमावर्ती नेपाल के कुछ अवैध प्रोपर्टी कारोबारी से पूंजी निवेश करवाकर पार्टनर बनाकर जिले के खुनुवां, पकडिहवा, बजहा, कोटिया, बढ़नी, अलीगढ़वा, ककरहवा आदि क्षेत्रों में जमीन का खरीदारी करके प्लाटिंग करते फिर उसके अगल–बगल सरकारी सम्पत्ति पर भी अपना कब्जा करके अच्छी कीमतों पर बिक्री करते हैं। जिसमें अधिकतर नेपाली व्यक्ति भी अवैध तरीके से आधार कार्ड बनवाकर भारतीय क्षेत्रों में जमीन खरीदने के उपरान्त भारतीय क्षेत्र के कुछ छुट भैय्ये नेताओं के साठ–गांठ से भारतीय नागरिकता भी हासिल कर लेते हैं, जो भारतीय मूल के नागरिकों का अधिकार हनन करते हैं। जबकि गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश के अनुपालन में मण्डलायुक्त (कमिश्नर) अखिलेश सिंह एवं पुलिस उप महानिरीक्षक डीआईजी संजीव त्यागी परिक्षेत्र बस्ती ने निवर्तमान जिलाधिकारी शिवगणप्पा जीएन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के साथ नेपाल सीमावर्ती का भ्रमण करके दोहरी नागरिकता धारकों व नये धनबलियों को चिन्हित एवं डाटा इकट्ठा करवाकर कार्यवाही करने का निर्देश दे चुके हैं। अब प्रश्न यह उठता हैं कि सक्षम अधिकारियों आदेश के अनुपालन में किस विभाग के अधिकारियों द्वारा यह कार्य किया जा रहा हैं। क्या यह आदेश केवल समीक्षा बैठक के कागजों में सिमटकर रह गया है? आखिर दोहरी नागरिकता धारकों एवं नव धनबलियों पर कोई कार्यवाही क्यों नहीं हुआ?

सम्पादकीय

सफर पर निकले देवताओं के झुंड में फरियादी बढ़ रहे हैं। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं, जहां देवयात्रा के जरिए एक संगठित षड्यंत्र वसूली का काम कुल्लू–मंडी से बाहर कांगड़ा, हमीरपुर, बिलासपुर की दिशा में कर रहा है। बेशक ये परंपराएं पूजनीय हैं, लेकिन वंदना के नाम पर सडकों पर मंडराते सारे अवधूत सही नहीं हैं। नागरिक आंदोलनों में देववाणी ऐसे मौकों पर होने लगी है...

ये धार्मिक अदालतें

कुल्लू की एक रोप–वे परियोजना अपने शरीर पर घाव लिए लौट रही है नए मुकाम पर। अगर ऐसा होता है तो स्की विलेज के बाद एक और महत्त्वाकांक्षी परियोजना कुल्लू के सांस्कृतिक, सामाजिक व आर्थिक दर्शन का अवशेष बन कर रह जाएगी। इसे हम देव परंपरा की जीत के रूप में स्वीकार करें या बिजली महादेव के लिए धार्मिक पर्यटन की हार। कुल्लू से ऐसी खबरों की ताकीद में धार्मिक अदालतें दिखाई देती हैं, लेकिन अपराध के आंकड़ों में सामाजिक व्यवस्था शरमा जाती है। पर्यटन के कितने ही हिसाब अनुशासनहीनता का सबब बन कर घाटी की मंजिलों को बदनाम करते हैं, तो मलाणा क्रीम के लबादे में कई तस्कर छुपे रुस्तम निकल आते हैं। पुलिस की पोटली में आज भी नशे की सबसे अधिक खेप कुल्लू से निकल आती है, तो पर्यावरण को नोचते हाथ निरंकुश हो जाते हैं। हम तारीफ कर सकते हैं कि पर्यावरण के पक्ष में आवाजें उठ रही हैं, लेकिन परियोजनाओं की तकसीम में संभावनाओं की शून्यता हानि ही पहुंचाएगी। ऐसे में बेहतर होगा कि बिजली महादेव परियोजना के टूटे रज्जु से बीड़–बिलिंग का रोप–वे सजाया जाए। इससे विश्वस्तरीय पैराग्लाइडिंग स्थल को वाहनों की भीड़ से बचाया जा सकेगा। हिमाचल में रोप–वे के जरिए पर्यावरण सुरक्षा तो होगी ही, वाहनों का दबाव भी कम होगा। उदाहरण के लिए अगर कुल्लू से मनाली या भुंतर से मनाली के ट्रांसपोर्ट नेट वर्क को रोप–वे से जोड़ दिया जाए, तो सारा परिदृश्य बदल जाएगा। शिमला की तर्ज पर स्थानीय नेट वर्क की संभावना में कांगड़ा से मकलोडगंज या मकलोडगंज से एयरपोर्ट तक रोप–वे नेटवर्क स्थापित होना चाहिए। मंडी से सुंदरनगर और सोलन से शिमला के बीच रोप–वे मोड से स्थानीय परिवहन को सुविधाजनक व अनेक दबावों से मुक्त किया जा सकता है। आश्चर्य यह कि कुल्लू भविष्य की छलांग में पूर्वाग्रहों की जमात बन जाता है। भविष्य में हिमाचल के हर शहर और धार्मिक स्थलों को रज्जु मार्गों के जरिए अपनी परिवहन व्यवस्था सुधारते हुए, दर्शन विद्धि में अनुशासन व तेजी ला सकते हैं। ज्वालामुखी, चिंतपूर्णी व कांगड़ा बस स्टैंड के अलावा शाहतलाई से दियोटसिद्ध जैसे मंदिरों को जोड़ कर हिमाचल धार्मिक पर्यटन को नई दिशा दे सकता है। बहरहाल कुल्लू की परियोजनाओं के खिलाफ प्रचारित देव परंपरा भी अब अपनी प्रासंगिकता से लड़ रही है। सफर पर निकले देवताओं के झुंड में फरियादी बढ़ रहे हैं। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं, जहां देवयात्रा के जरिए एक संगठित षड्यंत्र वसूली का काम कुल्लू–मंडी से बाहर कांगड़ा, हमीरपुर, बिलासपुर की दिशा में कर रहा है। बेशक ये परंपराएं पूजनीय हैं, लेकिन वंदना के नाम पर सडकों पर मंडराते सारे अवधूत सही नहीं हैं। नागरिक आंदोलनों में देववाणी ऐसे मौकों पर होने लगी है, जो सामान्य व परंपरागत नहीं। ऐसे में कुल्लू ने जो पाया, उसका हिसाब अज्ञात शक्तियां बता सकती हैं, लेकिन भविष्य की चौखट पर देव परंपरा के नाम पर कुछ लोगों के स्वार्थी हित जीत रहे हैं, तो यह सभ्यता के नाम पर भी प्रश्नचिन्ह लगाते हैं।

कल के कुल्लू को अगर स्कीइंग विलेज के बाद रोप–वे परियोजनाएं भी मंजूर नहीं, तो यह क्षेत्रीय विकास के संतुलन में भविष्य के प्रति सही –सही सोचने का अवसर नहीं देगा। हिमाचल में देव परंपरा, पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक संस्थानों के विस्तार और क्षेत्रवाद की तरफदारी में एक शातिर तंत्र काम कर रहा है, जो योजनाओं–परियोजनाओं के मसौदों में तोड़ फोड़ करता रहता है। अगर इस प्रदेश को आत्मनिर्भरता की ओर कदम उठाने हैं, तो तमाम परंपरावादी चोले, छद्म पर्यावरणविदों की टिपण्णियों और सरकारी क्षेत्र की ढाल बने उद्देश्यों को दरकिनाकर करते हुए, नए आर्थिक संदर्भों को शक्ति प्रदान करनी होगी।

भारतीय मनीषा अनेक ऋचाओं से अभिमंत्रित है

भारतीय मनीषा का स्वाभाविक विकास अनेक दैवीय शक्तियों द्वारा प्रादुर्भूत है।

अन्तश्चेतना की परिणिति देवत्व के भाव भूमि पर प्रतिष्ठित होती है। बात यह है कि संस्ति और सभ्यता का समेकित अंकन का नाम सनातन है। वेद और पुराण से होती हुई भारतीय मनीषा अनेक ऋचाओं और मंत्रों से अभिमंत्रित है। मंत्र और श्लोक सनातन संस्ति का प्राण तत्व है। हिंदुत्व सनातन का आधुनिक संस्करण है, स्वामी विवेकानंद उसके पुरस्कर्ता हैं। हिंदू धर्म को विश्व का सर्वाधिक प्राचीन धर्म माना जाता है, हिंदुत्व की जड़ें हजारों वर्ष पुरानी हैं। इसे सनातन धर्म भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है श्शाश्वत धर्मश और इसका कोई एक संस्थापक या स्थापना की निश्चित तारीख नहीं है, क्योंकि यह कई प्राचीन परंपराओं और मान्यताओं का संगम है। मान्यताओं, विशिष्टताओं और आस्थाओं से उद्भूत सनातन एक जीवन पद्धति है जहां पवित्र कर्म है। पवित्रता का अर्थ शुचिता से समझना चाहिए। यज्ञ कर्म हमारी परंपरा है और शब्द कर्म की आहुतियां सनातन में प्राण तत्व का संचार करती हैं। वे लोग जो सनातन और हिंदुत्व में विभेद करते हैं और आर्यों को भी बाहर से आया हुआ मानते हैं, वे लोग कुत्सित, नीच और भारतीयता के विरोधी और सनातन कुल के द्रोही लोग हैं। सनातन विरूपताओं से नहीं बल्कि समस्त सिंधु घाटी की सभ्यताओं वैदिक ऋचाओं, परम तपस्वियों, 33 कोटि देवी देवताओं की आराधना, साधना और श्रम का प्रतिफल है। दुर्भाग्य से हिन्दी सिनेमा सहित भारतीय सिनेमा ने शाश्वत सनातन संस्ति पर गहरा आघात किया है। हिन्दू देवी देवताओं और वैदिक ऋचाओं को नकारात्मक ढंग से प्रस्तुत कर शाश्वत मनीषा का अपमान किया है। सनातन एक ऐसी पारिवारिक व्यवस्था का सूत्रपात करता है, जिससे मनुष्य के मनुष्यत्व में राग , रंग और जीवन का उत्सव है। शाश्वत सनातन संस्ति की जय।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

अरावली की परिभाषा में निहित हो संरक्षण का लक्ष्य

यहीं पर सरकारों को हस्तक्षेप करना होगा और बाजार की ताकतों को अपने पक्ष में सब कुछ तय करने देने के बजाय मानव कल्याण, पर्यावरण और पारिस्थितिक संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। इसलिए, अरावली पहाड़ियों के लिए एक ऐसी परिभाषा, जो दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत शृंखलाओं में से एक को सीधे या अप्रत्यक्ष नुकसान पहुंचा सकती है, अपनाने और कानून बनाने से पहले सरकार और सुप्रीम कोर्ट को ...

अरावली पहाड़ियों के लिए कोई एक परिभाषा अपनाने और कानून बनाने से पहले सरकार और सुप्रीम कोर्ट को सभी कोणों से इसकी जांच करनी चाहिए। ऐसी परिभाषा न हो जो इन पर्वत शृंखलाओं को सीधे या अप्रत्यक्ष नुकसान पहुंचा सकती है। लक्ष्य संरक्षण हो न कि बाजारी ताकतों द्वारा अंधाधुंध दोहन। अरावली पहाड़ियां कभी अरबों साल पहले टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से बनी ऊंचे वलित पहाड़ों की शृंखला थी जो लाखों साल की टूट–फूट और कटाव से घिसकर ऊंची–नीची पहाड़ियों, चोटियों व चट्टानी उभारों की शृंखला बन गई हैं। ये पहाड़ियां 300 से 900 मीटर तक हैं, कई कम ऊंची भी हैं जबकि राजस्थान के माउंट आबू पठार पर गुरु शिखर की सबसे ऊंची चोटी समुद्र तल से 1,722 मीटर ऊंचाई तक है। हाल ही में अरावली ने पर्यावरण विशेषज्ञों, समाज और मीडिया का ध्यान खींचा जब किसी पहाड़ी को अरावली का हिस्सा मानने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एमओइएफसीसी समिति द्वारा प्रस्तावित स्थानीय तल से 100 मीटर ऊंचाई वाली शर्त मंजूर करते हुए एक फैसला सुनाया जिससे सड़कों पर विरोध और बयानबाजी होने लगी। 2024 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अरावली पहाड़ों की एक समान परिभाषा बनाने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत तकनीकी समिति का गठन किया गया, जिसमें समुद्र तल के बजाय स्थानीय तल आधारित राजस्थान की मौजूदा परिभाषा को शामिल किया जा सके। राजस्थान की परिभाषा पर भरोसा करते हुए, समिति ने

मानदंड तैयार किए कि पहाड़ी को अरावली रेंज का हिस्सा मानने के लिए इसकी ऊंचाई आसपास के स्तर से 100 मीटर होनी चाहिए या इसे अरावली शृंखला में दो योग्य पहाड़ियों के बीच 500 मीटर दायरे में होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर, 2025 को इस परिभाषा को मंजूर कर लिया, जिसका व्यापक विरोध हुआ। सरकार ने इस परिभाषा का बचाव करते हुए इसे मात्र 'तकनीकी' स्पष्टीकरण बताया और कहा कि राजस्थान में यह 2006 से लागू है व इससे अरावली की हर जगह एक जैसी सुरक्षा करने में मदद मिलेगी, जबकि आलोचना के भी यही बिंदु हैं। गत 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक असंतोष का हवाला देकर 20 नवंबर के अपने आदेश पर रोक लगा दी। अरावली के लिए टेक्निकल कमेटी द्वारा सुझाई समुद्र तल के बजाय लोकल–एरिया तल से 100 मीटर ऊंचाई वाली व्याख्या अपने आप में त्रुटिपूर्ण, अवैज्ञानिक और मनमानी आधारित है, न कि पहाड़ी की ऊंचाई मापने के यूनिवर्सल स्टैंडर्ड के मुताबिक। यह क्षेत्र ऐसे भी समुद्र तल से 100 मीटर से ज्यादा ऊंचा है, यानी यहां के स्थानीय स्थल से 99 मीटर ऊंचा पहाड़ समुद्र तल से 199 मीटर ऊंचा होगा परन्तु टेक्निकल समिति की व्याख्या अनुसार यह पहाड़ अरावली का हिस्सा नहीं माना जायेगा जब तक 100 मीटर ऊंचे दो पहाड़ों के 500 मीटर दायरे में नहीं आएगा। इससे राजस्थान के 90 फीसदी पहाड़ अरावली रेंज से बाहर हो जाएंगे। भारतीय वन सर्वेक्षण मुताबिक, राजस्थान में 12081 अरावली पहाड़ियों में से सिर्फ 1048 (8.7 फीसदी) ही 100 मीटर ऊंचाई का मापदंड पूरा करेंगी। समुद्र तल एक यूनिवर्सल स्टैंडर्डाइज्ड रेफरेंस पॉइंट है, जबकि लोकल रिलीफ मनमाना है। दूसरा, राजस्थान में एक परिभाषा है और उसी के अनुसार माइनिंग की अनुमति है, जबकि दिल्ली और हरियाणा में अरावली पहाड़ियों के लिए ऐसी कोई परिभाषा नहीं और माइनिंग पर रोक है। कमेटी ने राजस्थान लीगल कोड में अरावली को परिभाषित कर 'एक समानता' जोड़ी व इसे हरियाणा और अरावली रेंज साझा करने वाले सभी राज्यों में लागू किया, जिससे कानूनन हरियाणा में भी माइनिंग और अन्य गतिविधियों की अनुमति की राह खुलती है। परिभाषा का घोषित लक्ष्य अरावली में माइनिंग को 'रेगुलेट' करना है, न कि रोकना। दिल्ली और हरियाणा में अरावली में ज्यादा अलग–थलग छोटी पहाड़ियां और चोटियां हैं। यही वह मुख्य बात है जिस पर रियल एस्टेट कारोबारियों की नजर है, जो गुड़गांव व फरीदाबाद जिलों में अपने कार्य को कानूनी रूप देना चाहते हैं, जहां वे किसी न किसी तरह से पहले ही काम कर रहे हैं, जिससे वहां जमीन की कीमतें आसमान छू रही हैं। साल 2023 के एक सर्वे में, इस इलाके में 786 एकड़ जमीन पर मंजूरशुदा इमारतों के अलावा, लग्जरी फार्म हाउस, रिसॉर्ट, बैंक्वेट हॉल, घर, धार्मिक स्थल और शैक्षणिक संस्थान वगैरह के रूप में 6793 गैर–कानूनी स्ट्रक्चर पाए गए। यह बाजार–संचालित खनन, वनों की कटाई और रियल एस्टेट विकास है जिससे अरावली पहाड़ियों को खतरा है। एक बार जब अरावली के कुछ हिस्सों को उसके दायरे से बाहर रखने के लिए परिभाषित किया जाएगा, तो खनन और रियल एस्टेट कंपनियों को न उस क्षेत्र पर कानूनन कब्जा करने की अनुमति मिल जाएगीय इसके बाद उन्हें अरावली के दिल में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकेगा। बाजार–संचालित ताकतें इसी तरह काम करती हैं। 'मुनाफा ज्यादा से ज्यादा करने' के मकसद से काम करने वाली बाजार–संचालित ताकतें मानवीय, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और प्राकृतिक चिंताओं के 'बाहरी प्रभावों' पर ध्यान नहीं देतीं, जिसके चलते प्रदूषण, संसाधनों की कमी और सांस्कृतिक विरासत का नुकसान होता है।

महिला कैदियों हेतु लिंग–संवेदनशील सजा नीति बने

पर्याप्त बाल देखभाल सुविधाओं के अभाव में महिला कैदियों के बच्चों को भी उनकी माताओं के साथ प्रतिदिन 16–18 घंटे तक बन्द रखा जाता है, जबकि किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अन्तर्गत 'देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों' के रूप में उनका आदर्श निवास सरकारी बाल–गृह होने चाहिए। महिला कैदियों की समस्याएं कानून की खघमियों और ...

महिला कैदियों पर अपनी रिपोर्ट (1987) में, बन्दिनियों की दयनीय स्थिति पर टिप्पणी करते हुए, न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर ने कहा था कि सामाजिक मूल्य जड़वत हो गए हैं और सत्ता के अंग अहंकारी रूप से पुरुषोचित हैं, महिलाओं के लिए एक अलग 'भावपूर्ण दण्डशास्त्र' और 'सुधारात्मक दृष्टिकोण' अपनाने की जरूरत है।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अपने स्थापना दिवस पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'कारागार बंदियों के मानवाधिकारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन' का आयोजन किया। एक सत्र में महिला कैदियों और उनके बच्चों के लिए लैंगिक रूप से संवेदनशील जेल सुधार पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने महिलाओं की जरूरतों के अनुरूप उनके सार्थक पुनर्वास को सुनिश्चित करने वाली 'महिलाओं के लिए हिरासत में न्याय' पर राष्ट्रीय नीति बनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 31 दिसम्बर, 2023 तक देश की विभिन्न जेलों में 21,510 महिला कैदी और 1492 शिशु बन्द थे। छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को अपनी माताओं के साथ जेल में रहने की अनुमति है, यदि उनकी देखभाल के लिए बाहर कोई उपयुक्त व्यवस्था उपलब्ध न हो। शिशुओं के साथ उनकी 1318 माताओं में से 1049 विचाराधीन कैदी थी और शेष 249 महिलाएं दोष–सिद्ध महिलाएं थीं। देश की जेलों में महिला कैदियों की संख्या 4 प्रतिशत है। उनकी कैद मानवाधिकारों से जुड़ी अनेक चिन्ताएं उत्पन्न करती है, विशेषतया उनके बच्चों के सम्बन्ध में। महिला अपराधियों का कारावास न्याय–शास्त्र की दुविधा की ओर भी इशारा करता है कि क्या महिलाओं को पुरुषों के समान ही दण्ड प्रक्रिया और सुधारात्मक मानकों के अधीन रखा जाए। महिलाओं का अपराध क्षणिक आवेश की परिणति होता है। महिला सौंदर्य, रचनात्मकता, देखभाल और प्रेम, इच्छा, समृद्धि और सृजन की प्रतिमूर्ति होती है और अपराध–प्रवृत्ति उसके स्वभाव में नहीं है। महिलाओं द्वारा अपराध करने के पीछे के कारणों और उद्देश्यों के विश्लेषण से पता चलता है कि वे ऐसा मुख्य रूप से जीवन की

आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु करती हैं, जब उनके पास अपने बच्चों और परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कोई और विकल्प नहीं बचता है। कभी–कभी, महिलाएं लैंगिक रूप से असंवेदनशील सामाजिक व्यवस्था और नारीत्व को ठेस पहुंचाने वाले मानदण्डों के विरुद्ध अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए भी कानून तोड़ने पर मजबूर होती हैं। अक्सर, महिला अपराधी अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर कथित पारिवारिक सम्मान की रक्षा और विरोधियों से बदला लेने के लिए अपराधों में संलिप्त हो जाया करती हैं। लगभग हर स्थिति में, महिला अपराधी परिस्थितियों की शिकार होती हैं। उन्हें अपने दोषपूर्ण पालन–पोषण और प्रतिकूल पारिवारिक वातावरण की कीमत चुकानी पड़ती है। 80 प्रतिशत से अधिक महिला जेल बन्दिनियां विचाराधीन कैदी हैं। यह विडंबना है कि महिला अपराधियों के साथ पुरुष अपराधियों के समान ही व्यवहार किया जाता है। यह जोगिन्दर कुमार (1994) मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की भावना के विपरीत है, जिसमें यह व्यवस्था दी गई थी कि गिरफ्तारियां जरूरत के आधार पर होनी चाहिए। गिरफ्तारियां तभी न्याय–संगत होती हैं जब उन्हें आगे होने वाले अपराधों को रोकने, या अपराध के पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा के लिए अथवा यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया हो कि अपराधी अदालती कार्यवाही से नहीं भागेगा। महिला अपराधियों की गिरफ्तारी इस दृष्टि से तार्किक नहीं है क्योंकि उनकी आपराधिक प्रवृत्ति आमतौर पर क्षणिक होती है और आमतौर पर बदले की भावना से प्रेरित नहीं होती। इस प्रकार, विचाराधीन महिलाओं की हिरासत न्याय प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा शक्ति का एक उद्देश्यहीन प्रदर्शन ही प्रतीत होती है। जघन्य अपराधों को छोड़कर, विचाराधीन कैदियों को हिरासत में रखना अनावश्यक है। कोई कारण नहीं है कि महिलाओं को अदालतों द्वारा जमानत पर रिहा न किया जा सके, भले ही उन्हें पुलिस द्वारा बिना सोचे–समझे गिरफ्तार कर लिया गया हो। लिंग–संवेदनशील सजा–नीति के अभाव में, महिला दोषियों को भी पुरुषों के समान ही दण्डात्मक उपायों का सामना करना पड़ रहा है। निरूसंदेह, महिलाएं स्वभाव से पुरुषों से भिन्न होती हैं। सामुदायिक सेवा, सजा से पहले और बाद में परिवीक्षा पर रिहाई, अनिवार्य परामर्श और जुर्माना आदि जैसे गैर–हिरासती सुधार विकल्पों की हकदार हैं। सामाजिकता पर आधारित सुधार–उपाय महिला अपराधिकता के निराकरण के लिए सबसे उपयुक्त साधन हो सकते हैं। महिलाओं को असाधारण मामलों में ही कैद किया जाना चाहिए, वह भी उनके घरों के पास की जेलों में। प्रत्येक जिला जेल में महिला अपराधियों को रखने के लिए अलग महिला बैरकों की आवश्यकता है। इन बैरकों की वास्तुकला में स्त्री–उन्मुखता और घर जैसे वातावरण की परिकल्पना होनी चाहिए। महिलाओं द्वारा किए गए अपराधों के 77 प्रतिशत पीड़ित उनके परिवार के सदस्य, रिश्तेदार या अन्य परिचित व्यक्ति होते हैं, परिणामस्वरूप, महिला कैदियों को आमतौर पर उनके प्रियजनों द्वारा त्याग दिया जाता है। अकेलापन उन्हें मानसिक अवसाद में धकेल देता है। निरूसंदेह, जेल में बन्द महिलाओं का जीवन कष्ट–प्रद है, उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रतिदिन 16 से 18 घंटे तक भीड़भाड़ वाली बैरकों में बन्द रखा जाता है। उनकी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कैंटीन की बहुत सीमित सुविधाएं उपलब्ध होती है। 'सैनिटरी नैपकिन' और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था असन्तोषजनक है। उन्हें काम के अवसर शायद ही उपलब्ध हों और अकेलापन उनकी नियति बन जाता है।

मादुरो की शेरनी ने ली अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर शपथ, फिर जो कहा, ट्रंप अब क्या करेंगे?

वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति बन गई है जैसी रिगेट शपथ के दौरान उनकी तरफ से बयान भी सामने आ गया। उन्होंने कहा कि मैं उस पीड़ा के साथ आई हूं जो हमारी मातृभूमि पर हुई अवैध सैन्य आक्रामकता के बाद वेनेजुएला के लोगों को झेलनी पड़ी है। उसके बाद डेल्सी चीन, रूस और ईरान के एंबेसडर से गले मिली। इसके अलावा अमेरिका को यह संदेश दिया कि ये देश हमारे साथ इस वक्त खड़े हुए हैं क्योंकि ये तीनों देश जिनके इस वक्त हमने आपको जानकारी दी यह अमेरिका ने जो इस कारवाही को अंजाम दिया उसका विरोध कर चुके हैं और पिता की गिरफ्तारी के बाद असेंबली में माधुर के बेटे ने अपील की है आपने हम सभी को मजबूत बनाया हमारी मातृभूमि अच्छे हाथों तो आगे कहते हैं जल्दी हम वेनेजुएला में आपसे गले भी यहां पर मिलने वाले हैं। हालांकि भावुक भी वो हुए जो अमेरिका ने किया उसकी कड़ी तौर पर निंदा भी की गई।

डोनाल्ड ट्रंप ने साफ–साफ कहा है कि अगर उपराष्ट्रपति जिनको अंतरिम राष्ट्रपति वहां पर बनाया गया। अगर वह अमेरिका की बात नहीं मानेंगे तो आगे भी सैनिक कारवाई अमेरिका कर सकता है। वेनेजुएला की राजधानी काराकास में फायरिंग से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति भवन के बाद यह फायरिंग हुई है।वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज अब देश की अंतरिम राष्ट्रपति बन गई है। उन्हें देश की सुप्रीम कोर्ट ने शपथ दिलाई। वह अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के करोबी समूह का हिस्सा थी।

रोड्रिगेज अपनी साम्राज्यवाद विरोधी बयान के लिए जानी जाती है। इस वजह से निकोलस मादुरो ने उन्हें श्शेरनीश का उपनाम दिया था। रोड्रिगेज पर कई देशों ने प्रतिबंध लगाए है, जिनमें पडोसी कोलंबिया भी है। 56 साल की डेल्सी रोड्रिगेज का जन्म 18 मई 1969 को वेनेजुएला की राजधानी कराकास में हुआ था। यह काराकास की मूल निवासी है। वह जॉर्ज एर्टनिये रोड्रिगेज की बेटी है, जो एक वामपंथी गुरिल्ला लड़ाके थे। उन्होंने 1970 के दशक में अपनी कातिकारी पार्टी बनाई थी। ब्छछ की रिपोर्ट के मुताबिक, रोड्रिगेज ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑक वेनेजुएला से कानून (लें) की पढ़ाई की। पिछले एक दशक में वह तेजी से राजनीतिक सीढ़िया चढ़ते हुए शीर्ष पढ़ें तक पहुंची है। रोड्रिगेज अपने सरकारी करियर की शुरुआत 2003 में जी। उन्होंने येनेजुएल के उपराष्ट्रपति ऑफिस के जनरल को–ऑर्डिनेशन में काम शुरू किया। फरवरी से अरस्त 2006 तक व्ह राष्ट्रपति यूगो चावेज के कार्यकाल में राष्ट्रपति मामलों की मंत्री रही।

सऊदी अरब से यूएई को ठोका, इधर अचानक अबू धामी में पहुंचे आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी

जहां एक तरफ दुनिया भर में अमेरिका के वेनेजुएला पर किए गए एक्शन से गरमा गर्मी बढ़ गई है और दूसरी तरफ सऊदी और यूएई के बीच भी तनाव का माहौल देखा जा रहा इसी बीच भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी यूएई के दौरे पर पहुंचे। 5 जनवरी को उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के थल सेना कमांडर मेजर जनरल यूसुफ मायूद सैयद अल हलामी से मुलाकात की। दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई जिसमें दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। थल सेना प्रमुख की इस मुलाकात की जानकारी देते हुए भारतीय सेना के आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा गया जनरल उपेंद्र द्विवेदी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ अपनी चल रही यूएई यात्रा के दौरान यूएई थल सेना के कमांडर मेजर जनरल स्टाफ यूनुस मायूस सैयद अल हलामी से मिले बातचीत में भारत और यूएई के बीच सकारात्मक सैन्य सहयोग प्रशिक्षण में तालमेल और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने थल सेना संग्रहालय का भी दौरा किया जहां उन्होंने यूएई थल सेना के समृद्ध इतिहास परंपराओं और सैन्य विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त की। थलसेना प्रमुख की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा खाड़ी क्षेत्र में बदल रहे घटनाक्रमों के बीच हो रही है, जिनमें यमन की स्थिति को लेकर यूएई और सऊदी अरब के बीच बढ़ता तनाव भी शामिल है। सेना ने कहा कि जनरल द्विवेदी और मेजर जनरल अल हलामी के बीच हुई बातचीत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर केंद्रित थी। सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा गया कि चर्चा का मुख्य उद्देश्य भारत और यूएई के बीच सकारात्मक सैन्य जुड़ाव को बढ़ाना, प्रशिक्षण में समन्वय स्थापित करना और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना है। जनरल द्विवेदी यूएई नेशनल डिफेंस कॉलेज सहित प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों का दौरा करने के साथ ही अधिकारियों और सैनिकों के साथ बातचीत करेंगे। दिसंबर 2020 में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे की संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को महत्वपूर्ण गति मिली। वह भारतीय सेना के किसी प्रमुख की यूएई की पहली यात्रा थी। जनरल द्विवेदी की यूएई यात्रा खाड़ी देश के राष्ट्रपति गार्ड के कमांडर मेजर जनरल अली सैफ हुमैद अलकाबी की भारत यात्रा के कुछ सप्ताह बाद हो रही है।

कलमा, सीने पर ग्रेनेड, अल्लाह के नाम पर जैश ने बच्चों को बारूद बना दिया!

जैश की आतंकी साजिश का नया वीडियो सामने आया। बच्चों को आतंकी बनाने का यह वीडियो आया है। खबर तो यह भी है कि कट्टरपंथी का जो कोर्स है वो पूरा होने के बाद इनाम भी दिया जाएगा। यह कहा जा रहा था जैश के आतंकियों ने बच्चों को इनाम बांटे हैं। इस्लामिक आतंकवाद की ट्रेनिंग दी गई है बच्चों को और सिर्फ ट्रेनिंग नहीं दी गई। बल्कि उनको यह भी कहा गया कि आपका कोर्स पूरा हो जाएगा तो आपको इसके बदले इनाम दिया जाएगा। सोचिए छोटे–छोटे मासूम बच्चों को कैसे आतंकी दिल में शौक शहादत लेके कलमा पढ़ के और अल्लाह से मोहब्बत का दावा करके कहता है अल्लाह मैं आ रहा हूं जन्नत को सजा ले।

जैश और तहरीक ए तालिबान दोनों संगठन एक ही कट्टरपंथी सोच को मानते हैं और उनके तार पाकिस्तानी सरकार से जुड़े हैं। फर्क सिर्फ टारगेट चुनने का है। एक को भारत पर छोड़ा जाता है। दूसरा पाकिस्तान में ही खून बहाता है। कौन भूल सकता है जब टीटीपी के आतंकियों ने एक सैनिक स्कूल में घुसकर करीब 150 मासूम बच्चों को छलनी कर दिया था। लेकिन पाकिस्तान में ऐसा होना आम बात है। वहां ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई जाती है। समाज के समर्थन से आतंकी संगठन, मासूम बच्चों को आतंकवादी बनने का कोर्स करवाते हैं, उन्हें ब्रेनवॉश करते हैं और फिर देश और दुनिया में सौ–दो सौ को लेकर फट जाने के लिए उन्हें छोड़ देते हैं।

जैश–ए–मोहम्मद के ट्रेनिंग कैंप का है। जहां एक लाइन में एक मुख्य आतंकी खड़ा है और उसके साथ 15–20 साल के दर्जनों बच्चे खड़े हैं। बैकग्राउंड में लाउडस्पीकर पर ऐलान हो रहा है कि जब मुजाहिद तलवार लेके, हाथ में बंदूक उठाके, सीने पर मैगजीन सजा के, ग्रेनेड लगाके, दिल में शौक–ए–शहादत लेके, कलमा पढ़ के, और अल्लाह के मोहब्बत का दावा करके जब कहता है, अल्लाह मैं आ रहा हूं, तुम्हारे जन्नत को सजाने। उस वक्त जमीन भी कांपती है, आसमान भी झूम उठता है। कैसे सिखाया जा रहा है ब्रेन वाश बकायदा उनका किया जा रहा है और उसके बाद उन्हें इनाम दिया जाएगा यह भी घोषणा की गई छोटे–छोटे आठ मासूम बच्चों की तस्वीरें आप देखिए और इसमें बच्चों उनके दिमागों में कैसे जहर घोला जा रहा है। कैसी तकरीरें उसके उनके अंदर डाली जा रही है।

कट्टरपंथियों ने हिंदू महिला से किया गैंगरेप, फिर पेड़ से बांधा, काटे बाल, बांग्लादेश में शर्मनाक करतूत!

बांग्लादेश से हिंदू महिला से हैवानियत का मामला विधवा महिला के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया। महिला को पेड़ से बांधकर पीटा गया। झिनाईदा जिले में यह वारदात हुई है। चार लोगों के खिलाफ हालांकि शिकायत दर्ज की गई है। हसन नाम का आरोपी गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश में 44 साल की एक हिंदू विधवा महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो स्थानीय युवकों ने महिला को पेड़ से बांधकर उसके साथ रेप किया और उनके बाल काट दिए। यह घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता के अनुसार, करीब ढाई साल पहले उन्होंने शाहिन और उसके भाई से 20 लाख टका में एक दो मंजिला मकान और जमीन खरीदी थी। इसके बाद से ही शाहिन उस पर बुरी नजर रखने लगा था। घटना की रात महिला को इतनी यातनाएं दी गई कि वह बेहोश हो गई।

शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। हिंदू युवक की गोली मारकर हत्या : बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। स्थानीय मीडिया की खबरों में बताया गया है कि कारोबारी के

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जोगिया में हिंदू सम्मेलन हेतु भूमि पूजन संपन्न

सिद्धार्थनगर। जोगिया क्षेत्र में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के उद्देश्य से 'हिन्दू आयोजन समिति' द्वारा प्रस्तावित हिंदू सम्मेलन के लिए भूमि पूजन मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि–विधान के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। भूमि पूजन कार्यक्रम में आरएसएस के जिला प्रचारक श्री विशाल जी एवं जिला कार्यवाह श्री शिवेंद्र सिंह जी उपस्थित रहे। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन की भूमिका, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्रसेवा के मूल्यों पर मार्गदर्शन दिया। जिला प्रचारक श्री विशाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सांस्कृतिक केंद्र समाज को जोड़ने और युवाओं में संस्कारों के संवर्धन का कार्य करते हैं। यह भविष्य में धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रप्रेरित गतिविधियों का सशक्त मंच बनेगा। आचार्य द्वारा भूमि पूजन की समस्त प्रक्रिया विधि–विधानपूर्वक संपन्न कराई गई, जिसमें उपस्थित लोगों ने श्रद्धापूर्वक आहुतियां दीं। इस अवसर पर सह जिला कार्यवाह अविनाश जी, दिवाकर विक्रम जी, बिपिन जी, महेन्द्र जी, अच्युतानंदन, दीपक मौर्य, अजय उपाध्याय, विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष श्रीष चौधरी जी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवदत्त पडिक्कल ने रचा इतिहास, विजय हजारे ट्रॉफी के 3 संस्करणों में बनाए 600 रन

नई दिल्ली। इस समय खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक क्रिकेट टीम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने राजस्थान के खिलाफ मैच में 91 रन की पारी खेली। वह मौजूदा सीजन में अपने 5वें शतक से चूक गए और इस पारी के दौरान उन्होंने मौजूदा संस्करण में 600 रन पूरे किए। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में 3 संस्करणों में 600 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। पडिक्कल ने मौजूदा सीजन में अब तक 6 पारियों में 100.83 की औसत के साथ सर्वाधिक 605 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक शामिल है। उन्होंने त्रिपुरा के खिलाफ 108 रन बनाए थे।

उन्होंने झारखंड के खिलाफ मैच में 118 गेंदों का सामना करते हुए 147 रन बनाए थे। केरल के विरुद्ध अपने दूसरे मुकाबले में उन्होंने 124 रन बनाए थे। अपने तीसरे मैच में तमिलनाडु के खिलाफ 22 रन बनाए थे।

पडिक्कल ने अपने लिस्ट–ए क्रिकेट करियर में अब तक 39 मैच खेले हैं। इसकी 38 पारियों में उन्होंने अब तक लगभग 85 की अविश्वसनीय औसत से 2,600 से अधिक रन बनाए हैं। वह 14 शतकों के साथ–साथ ही 12 अर्धशतक भी जमा चुके हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 152 रन का रहा है। इस प्रारूप में अविश्वसनीय आंकड़ों के बावजूद वह वनडे क्रिकेट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं।

पडिक्कल ने विजय हजारे ट्रॉफी में निरंतर रन बनाए हैं। इससे पहले उन्होंने 2019–20 में 609 रन और 2020–21 में 737 रन बनाए थे।

तांबे की कीमत 11.90 लाख रुपये प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पहुंची, क्या है तेजी वजह?

नईदिल्ली। सोने–चांदी की कीमतों के साथ–साथ तांबे की कीमत में भी बड़ी तेजी देखने को मिल रही है। आज (6 जनवरी) तांबा पहली बार 13,000 डॉलर प्रति टन के स्तर को पार कर गया। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे की कीमत 13,187 डॉलर (लगभग 11.90 लाख रुपये) प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई। नवंबर के मध्य से अब तक तांबे में 20 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की जा चुकी है, जिससे निवेशकों का उत्साह बढ़ गया है।

तांबे की कीमतों में इस तेजी की सबसे बड़ी वजह अमेरिका में धातु भेजने की बढ़ी होड़ मानी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संभावित टैरिफ नीति के चलते अमेरिका में तांबे की कीमतें ग्लोबल मार्केट से ज्यादा प्रीमियम पर चल रही हैं। कंपनियां और बड़े ट्रेडर्स ज्यादा स्टॉक अमेरिका भेज रहे हैं। इससे दुनिया के बाकी हिस्सों में सप्लाई कम होने का डर बढ़ गया है, जिसने कीमतों को और ऊपर धकेल दिया है।

तांबे की सप्लाई से जुड़ी दिक्कतों ने भी बाजार को मजबूती से सपोर्ट दिया है। चिली की मंटोवर्डे खदान में हड़ताल और अफ्रीका की कुछ खदानों में हुए हादसों से सप्लाई प्रभावित हुई है। लंबे समय से नई खदानों में निवेश कम रहा है, जबकि पुरानी खदानों को तकनीकी और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन वजहों से बाजार में तांबे की उपलब्धता लगातार सीमित होती जा रही है।

तांबा बिजली, इलेक्ट्रिक वाहन और रिन्यूएबल एनर्जी से जुड़ी परियोजनाओं के लिए बेहद जरूरी धातु माना जाता है। सरकारें और कंपनियां एनर्जी ट्रांजिशन पर तेजी से काम कर रही हैं, जिससे तांबे की मांग लगातार बढ़ रही है। साथ ही, सोना, चांदी और अन्य धातुओं में आई तेजी के बाद निवेशक तांबे की ओर भी तेजी से आकर्षित हुए हैं। इन सभी कारणों से तांबे की कीमतों में फिलहाल मजबूत तेजी बनी हुई है।

थारू संग्रहालय इमलिया कोडर में हिंदू सम्मेलन आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। थारू संग्रहालय इमलिया कोडर पचपेड़वा में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा हिंदू समाज के उत्थान और सांस्कृतिक संरक्षण के उद्देश्य से भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्वों ने भाग लिया। सम्मेलन के मुख्य वक्ता श्रीमद् जगतगुरु स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य, मानस किंकर जी महाराज और विश्व वैदिक संघ उपाध्यक्ष, अयोध्या धाम रहे। मुख्य अतिथि यशोदानंद प्रांत प्रचारक प्रमुख, अवध प्रांत ने अपने संबोधन में पंच परिवर्तन, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। स्वामी ओम प्रपन्नाचार्य ने हिंदू समाज की महान परंपराओं और वीरता का स्मरण कराते हुए युवाओं को अपने इतिहास, संस्कृति और मूल्यों को याद रखने और जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने भगवान राम के वनवास का उदाहरण देते हुए कहा कि समाज के हर व्यक्ति को साथ लेकर चलना ही समाज की प्रगति का मार्ग है। कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक रामसुंदर थारू और सह संयोजक आलोक पाठक ने किया। इसमें संस्थान के अध्यक्ष धनीराम थारू, जिला कार्यवाह किरिट मणि, जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार, सह कार्यवाह सुभाष सहित कई समाजसेवी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सदस्यों ने सांस्कृतिक और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और युवाओं को प्रेरित करने वाले संदेश दिए। वरिष्ठ सदस्य आशुतोष शुक्ला, नीलम प्रधान, रामसरन, अशोक सिंह, गोविंद सिंह, राजेंद्र, विजय पाल और सुभाष ने भी अपने विचार साझा किए।

जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज में एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इसे सफल और सार्थक बताया, और समाज के सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अवैध ढ़ग से तंबू लगाकर निवास कर लोगो को पुलिस ने हटाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया। जोगिया योगमाया मंदिर के पास कुछ बाहर के लोग तंबू लगाकर निवास कर रहे थे ग्रामीणों पुलिस को सूचना दी कि योगमाया मंदिर के पास जगह पर अलग अलग तंबू मे लगाकर लोग रुके हुए हैं। और पुलिस मौके पर पहुंच कर लोगों को उस जगह हटवाया और पुलिस ने उन लोगों से पूछताछ किया और जितने लोग पर मौजूद थे उनका आधार कार्ड चेक किया गोंडा मानपुर गोंडा जिले थे सब स्थानीय लोगों ने बताया कि एक साथ कई लोगों आ तंबू लगाकर रह रहे थे रात के समय बहुत ज्यादा शोर मचा रहे थे थानाध्यक्ष मीरा चौहान ने बताया कि सूचना मिलने मौके पर पहुंच कर लोगों का आधार कार्ड चेक और वहा तंबू घेर कर रुके हुए थे उन लोगों को हटवा दिया गया है।

सोशल मीडिया की खबर का असरः प्रशासन हरकत में, अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सोशल मीडिया द्वारा लगातार उठाए जा रहे अवैध खनन के मुद्दे पर आखिरकार जिला प्रशासन ने संज्ञान ले लिया। खबर वायरल होते ही खनन विभाग सक्रिय हुआ और त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध मिट्टी से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली को पकड़ लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरयू नहर जोकहिया रोड से आ रही अवैध मिट्टी से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली को खनन निरीक्षक ने नहरबालागंज क्षेत्र में पकड़कर सीज कर दिया। इसके बाद वाहन को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई हेतु कोतवाली नगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन अवैध खनन के प्रति गंभीर है और मीडिया के माध्यम से सामने आ रही जनसमस्याओं पर तत्परता से कदम उठा रहा है।मीडिया की खबर ने न सिर्फ प्रशासन को जागरूक किया, बल्कि खनन माफियाओं को भी स्पष्ट संदेश दे दिया कि कानून से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि आगे भी अवैध खनन के खिलाफ इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा।

डीएम की अध्यक्षता में सी0एम0 युवा योजना की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में सी0एम0 युवा की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। एच0डी0एफ0सी0 की समीक्षा में उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री युवा योजनातंर्गत कुल 40 लक्ष्य के सापेक्ष कुल 91 आवेदन पत बैंक को प्रेषित की गयी जिसके सापेक्ष 21 पत्रावलिया बैक पोर्टल पर लंबित है एवं 53 पत्रावलियों को अस्वीकृत कर दिया गया है। लंबित पत्रावलियों की समीक्षा के दौरान आवेदक शिवानंद भी उपस्थित रहे। शाखा प्रबन्धक द्वारा पत्रावलियों को एक सप्ताह के अन्दर स्वीकृत करने का आश्वासन दिया गया तथा अस्वीकृत पत्रावलियों की समीक्षा भी की गयी। समीक्षा के दौरान एच0डी0एफ0सी0 तथा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के तीन शाखाओं ,हैंसर बाजार,उसरा शहीद,एवं महुली शाखा प्रबन्धक एवं उनके जिला समन्वयक भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि बिना उचित कारण पत्रावलियां निरस्त न किया जाय। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की समीक्षा के दौरान उपायुक्त उद्योग द्वारा अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को एस0एल0बी0सी0द्वारा सी0एम0युवा का लक्ष्य 731 निर्धारित है , जिसके सापेक्ष 670 पत्रावलिया बैंक को प्रेषित की गई, 286 आवेदकों के ऋण वितरण किया गया है 58 पत्रावलिया पोर्टल पर स्वीकृत/वितरण हेतु लंबित है, 327 पत्रावलियां अस्वीकृत कर दिया गया है। महुली शाखा को 16 आवेदन पत्र प्रेषित है। जिसमें से एक स्वीकृत एक वितरण किये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक में उपस्थित जिला अग्रणी प्रबन्धक एस0बी0आई0 द्वारा बैंकों से अपेक्षा किया गया कि सी0एम0 युवा योजना में गाइडलाइन के अनुसार समयबद्ध निस्तारण करें। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित उपायुक्त उद्योग, जिला अग्रणी प्रबन्धक एस0बी0आई0, सम्बन्धित बैंकों के जिला समन्वयक एवं शाखा प्रबन्धकों को निर्देशित किया गया कि जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष बैंको को आवंटित लक्ष्य की पूर्ति नियमानुसार एवं समयबद्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा सहित बैंकों के शाखा प्रबंधक व जिला समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

एम्बुलेंस चालक सड़क हादसे में घायल,जिला अस्पताल से रेफर,अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कटरा बाजार स्थानीय क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एम्बुलेंस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान स्थानीय निवासी राहुल (24) के रूप में हुई है, जो बलरामपुर जिले में एम्बुलेंस चालक के पद पर कार्यरत हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल ड्यूटी समाप्त कर देर रात अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कटरादृ कर्नलगंज मार्ग पर एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों व स्थानीय लोगों ने तत्काल एंबुलेंस की सहायता से घायल राहुल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कटरा बाजार पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल गोंडा रेफर कर दिया। चिकित्सक अरुण सिंह ने बताया कि राहुल के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा रात के अंधेरे और वाहन की तेज रफ्तार के कारण हुआ। टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

कालेज में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं अधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। गोण्डा जनपद के ललिता शास्त्री सभागार श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज,गोण्डा में सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गोण्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन ने उपस्थित छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी तथा सभी को सड़क सुरक्षा का पालन करने की शपथ दिलाई। डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न केवल हमारी स्वयं की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि इससे अन्य लोगों के जीवन की रक्षा भी होती है। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, नशे की हालत में वाहन न चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन न चलाना तथा यातायात संकेतों का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है। थोड़ी सी लापरवाही गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है, इसलिए सभी को जिम्मेदार नागरिक की तरह सड़क पर व्यवहार करना चाहिए।डीएम ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से सकारात्मक संदेश समाज में व्यापक रूप से जाता है।कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने भी सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा समय–समय पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य दुर्घटनाओं में कमी लाना है।एआरटीओ प्रशासन आर.सी. भारतीय ने यातायात नियमों, वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेजों की अनिवार्यता तथा सुरक्षित ड्राइविंग से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने परिवार नियोजन जागरूकता के लिए प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी बलरामपुर डॉ. बिपिन कुमार जैन ने मंगलवार को "इतनी भी क्या जल्दी है?" एसबीसीसी (सोशल एंड बिहेवियर चेंज कम्युनिकेशन) कैम्पेन के तहत जागरूकता फैलाने वाले प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन उम्मीद परियोजना के अंतर्गत जनपद के चयनित 150 गांवों में जाकर विवाह की सही उम्र, बच्चों में उचित अंतराल तथा गर्भनिरोधक साधनों के उपयोग को लेकर समुदाय को जागरूक करेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि परिवार नियोजन केवल स्वास्थ्य से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी अहम आधार है। बाल विवाह और जल्द मातृत्व जैसी कुरीतियों पर रोक लगाकर ही हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर भविष्य दे सकते हैं। उन्होंने जनसहभागिता के साथ इस तरह के अभियानों को निरंतर चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान "इतनी भी क्या जल्दी है?" अभियान की विस्तार से जानकारी साझा की गई। उम्मीद परियोजना, स्वास्थ्य विभाग, मोबियस फाउंडेशन तथा पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों ने जनपद में जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों और उन्हें दूर करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बताया कि बलरामपुर में बाल विवाह की दर 35 प्रतिशत है, जो राज्य के औसत 15.8 प्रतिशत से कहीं अधिक है। वहीं, जिले की कुल प्रजनन दर 3.7 है, जबकि प्रदेश औसत 2.4 है। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि जनपद में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने की सख्त जरूरत है। इस कैम्पेन के माध्यम से लोगों तक यह संदेश पहुंचाया जाएगा कि विवाह और बच्चों की योजना सोच–समझकर और सही समय पर की जाए। सीएमओ ने यह भी जानकारी दी कि जिले में आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों का उपयोग केवल 39.4 प्रतिशत महिलाओं तक सीमित है, जबकि 22.3 प्रतिशत महिलाएं अब भी अपूर्ण आवश्यकता की श्रेणी में आती हैं। ऐसे में यह अभियान समुदाय की सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम साबित होगा। मोबियस फाउंडेशन के राज्य प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने बताया कि कैम्पेन के तहत चार विषयों पर आधारित लघु फिल्में, जिंगल्स, हैंडबिल्स और पोस्टर तैयार किए गए हैं, जिन्हें मोबाइल वैन के माध्यम से गांव–गांव दिखाया जाएगा। साथ ही ग्राम चौपालों, संवाद कार्यक्रमों और डिजिटल माध्यमों के जरिए भी व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाई जाएगी। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, एनआरएलएम, पंचायतीराज सहित विभिन्न विभागों के सहयोग से यह अभियान जमीनी स्तर तक अधिक प्रभावशाली ढंग से पहुंचेगा। कैम्पेन के दौरान परिवार नियोजन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले आशा कार्यकर्ताओं, ग्राम प्रधानों और समुदाय के सदस्यों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, डीपीएम शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के जनपद प्रतिनिधि रामबरन यादव सहित राम गुलाम वर्मा, आकाश, रामशंकर एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्युत पोल व पेड़ गिरने से तीन घायल जिसमें से सात वर्षीय बालक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसडी/बलरामपुर। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 मझौली में पेड़ काटते वक्त पेड़ विद्युत पोल पर गिर गया जिससे विद्युत पोल रास्ते में जा रहे राहगीरों पर गिर गया जिसके चपेट में आने से तीन लोग बुरी तरह ज़ख्मी हो गये वहीं एक सात वर्षीय बालक की मौत हो गई जबकि दों घायलों का इलाज जारी है। बता दें कि नगर पंचायत गैसड़ी के वार्ड नंबर 15 में सोमवार को सड़क किनारे लगे पेड़ को एक ठेकेदार द्वारा काटवाते समय पेड़ विद्युत पोल पर गिरने के कारण विद्युत पोल सड़क पर गिर गया जिसके कारण साइकिल से जा रहे सात वर्षीय बालक विकास यादव पुत्र कमलेश यादव विद्युत पोल के नीचे दब गया तो वहीं निब्बर यादव उम्र 30 वर्ष वीरेंद्र यादव उम्र 14 वर्ष भी पोल के नीचे दब गए गंभीर रूप से घायल विकास यादव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसड़ी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने हालात नाजुक देखते हुए त्वरित जिला अस्पताल बलरामपुर के लिए रेफर कर दिया जिला अस्पताल में इलाज के दौरान विकास यादव की मौत हो गई वहीं निब्बर यादव व वीरेंद्र यादव का इलाज गैसड़ी के एक निजी चिकित्सालय में जारी है । निब्बर यादव ने बताया कि पोल में बिजली का करंट था जिसके कारण उन्हें करंट का झटका भी लग गया है चीख–पुकार सुनकर मोहल्ले वालों द्वारा किसी तरह पोल के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया। मृतक विकास यादव की मां पुष्पा देवी ने घटना के सम्बन्ध में एक लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र कोतवाली गैसडी में देकर मुकदमा पंजीकृत कराने की मांग की है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक दुर्विजय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं बिजली विभाग के जे ई अजय कुमार ने बताया कि विद्युत पोल गिरते ही बिजली ट्रिप कर गई थी विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

मनरेगा बना लूट का जरिया प्रधान एवं सचिव बने लुटेरे

दैनिक बुद्ध का संदेश

मेहदावल/संत कबीर नगर ।सरकार की अति महात्वाकांक्षी योजना मनरेगा में जोरों–शोरों पर भ्रष्टाचार हो रहा है । बताते चलें कि जनपद संत कबीर नगर के विकास खंड मेहदावल के ग्राम पंचायत कौवाठोर में मनरेगा योजना में इस कदर लूट पड़ी हुई है कि धरातल पर 10मजदूरो से काम कराया जा रहा है। 43 मजदूरो का फर्जी मस्टर रोल चलवाकर 10की जगह 43मजदूरों का फर्जी तरीके से हाजिरी भी लगाई जा रही है और अधिकारी/कर्मचारी हाथ पर हाथ धरे सब कुछ देख रहे हैं ! ग्राम पंचायत कौवाठोर में मोहन के खेत से पल्हना नाला के किनारे तक नाला खुदाई कार्य नामक परियोजना पर मनरेगा श्रमिकों की फर्जी फोटो अपलोड कर फर्जी तरीके से आन लाइन हाजिरी लगवा कर मनरेगा योजना में जमकर फ्रजीवाड़ा किया जा रहा है। जबकि जिले के अधिकारियों द्वारा लगातार इसकी मॉनीटरिंग भी की जा रही है ।अब सवाल उठता है कि मनरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार का जिम्मेदार कौन है ?

सीएम योगी ने विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी के पत्र का लिया संज्ञान

आयु सीमा 22 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष करने का विधायक ने मुख्यमंत्री से किया था मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 32,679 पदो पर पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियो को बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियो को तीन वर्ष की छूट देकर सामान्य वर्ग को राहत देने का कार्य किया है। दरअसल आयु सीमा विवाद सरकार के गले की फास बनता जा रहा था। आयु सीमा बढ़ाये जाने की मांग सरकार के भीतर भी उठने लगी। इसे देखते हुए योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। बताते चले कि विधान सभा क्षेत्र मेंहदावल के विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की आयु सीमा 22 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष किए जाने की मांग किया था। विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने अपने शिष्टाचार पत्र के माध्यम से योगी सरकार को किए गये वायदा याद दिलाया था। विधायक ने लेटर में लिखा था गोरखपुर जनता दरबार और लखनऊ में आयोजित जनता दरबार में आप ने वादा किया था कि अभ्यर्थियो को तीन साल की छूट प्रदान की जायेगी, लेकिन नोटिफिकेशन जारी करने के दौरान तीन साल की छूट प्रदान नही की गयी थी। इसके बाद देवरिया विधायक शलभमणि त्रिपाठी भी विधायक से तीन वर्ष की आयु सीमा बढ़ाने की मांग किया था। विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी उसी दौरान बेहद चर्चा में आये जब 52 ब्राम्हण विधायक की बैठक लखनऊ स्थित पीएन पाठक विधायक के आवास पर हुआ था। इसी दौरान विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी ने सामान्य वर्ग के लिए तीन साल की आयु सीमा बढ़ाने को लेकर जब मुख्यमंत्री को पत्र लिखा तो बेहद चर्चा में आये और लोगो ने कहा कि सामान्य वर्ग के असली हितैषी विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होने सामाज के सभी वर्गो को एक साथ लेकर चलने में विश्वास करते है और सभी के जरूरतो पर आवाज उठाते है। जानकारी के अनुसार बीते 31 दिसम्बर की शाम योगी सरकार में 32,679 पदो पर सीधी भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमे सिविल पुलिस के अलावा पीएसी, सुरक्षाबल, एसएसएफ महिला बटालिएन, घुड़सवार पुलिस और जेलवार्ड तक के पद शामिल थे। सीविल पुलिस में 10469 पदो पर महिला और पुरूष अभ्यर्थियो की भर्ती होगी जब कि पीएसी मे पुरूषो के लिए 15131 पद खाली है यूपीएसएसएफपुरूष अभ्यर्थियो के लिए 1341 वैकंसी है। आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 30 जनवरी 2026 तक चलेगी।

क्या बोले विधायक मेंहदावल

संतकबीरनगर। विधायक मेंहदावल। अनिल कुमार त्रिपाठी ने योगी सरकार के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने नौजवानो के हित में जो फैसला लिया है वह काबिले तारिफहै। श्री त्रिपाठी ने कहा कि सामान्य वर्ग के दर्जनो अभ्यर्थियों ने मुझे ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाया था। उन्होने कहा कि इस फैसले से अभ्यर्थियों में ऊर्जा का संचार होगा और सरकार के प्रति साकारात्मक सोच बढेगी। श्री त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार सर्व समाज के लिए कल्याणकारी योजनाए चलाकर लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है।

एसपीपीजी कालेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मंगलवार को शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में विशेष मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरविन्द कुमार सिंह ने की। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानन्द एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। प्राचार्य प्रो0 सिंह ने अपने सम्बोधन में युवाओं को लोकतन्त्र की मजबूती हेतु मतदान के महत्व को विस्तार से समझाया। मुख्य अतिथि ने निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची में नाम जोड़ने की विधि एवं ईसीआईनेट ऐप के प्रयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र–छात्राओं से अपील की कि वे 18 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं। कार्यक्रम का संचालन रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 ए0के0 सिंह ने किया। प्राध्यापक डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 विनोद कुमार सिंह, डॉ0 राम किशोर सिंह, डॉ0 अजय कुमार सिंह, शशि शेखर शिष्ट पाल सिंह सहित तहसील शोहरतगढ़ के चन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। छात्र–छात्राओं में सबा, शिवांगी, विशाल, सुग्रीव, आशीष आदि ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में मतदाता पंजीकरण हेतु फार्म–6 एवं घोषणा पत्र वितरित करके पंजीकरण की प्रक्रिया को भी समझाया गया।

शिक्षण संस्थानों में कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर पंजीकरण अभियान चलाने की योजना साझा की गई। एनएसएस एवं एनसीसी के माध्यम से प्रचार–प्रसार की रणनीति पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नये मतदाताओं को सूचीबद्ध करना रहा।

अध्यक्ष पद पर सर्वाधिक 6 प्रत्याशियों समेत 34 प्रत्याशियों ने पर्चा किया दाखिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बहु प्रतीक्षित सोनभद्र बार एसोसिएशन के चुनाव वर्ष 2026–2027 के लिए मंगलवार को अध्यक्ष पद पर सर्वाधिक 6 प्रत्याशियों समेत 34 प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया है। अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद पर मुकाबला होने का प्रबल आसार है। शेष पदों पर अकेला पर्चा दाखिल किए जाने की बजह से लगभग निर्विरोध निर्वाचन होना तय माना जा रहा है। हालांकि बुधवार को पर्चा वापसी के बाद ही किन पदों पर मुकाबला होगा पता चलेगा। प्रत्याशी समर्थकों के साथ कचहरी परिसर में वकील मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने का आग्रह करते रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेश सिंह एडवोकेट ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए अशोक कुमार श्रीवास्तव

एडवोकेट, उमेश कुमार मिश्रा एडवोकेट ,रमेश प्रसाद चौबे एडवोकेट, लालता प्रसाद पाण्डेय एडवोकेट, शेषनारायण दीक्षित एडवोकेट एवं हेमनाथ द्विवेदी एडवोकेट ने अपना पर्चा दाखिल किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशी अजय कुमार द्विवेदी एडवोकेट एवं गोविंद प्रसाद मिश्र एडवोकेट, महामंत्री के लिए अरुण कुमार सिंघल एडवोकेट ,प्रभात कुमार मिश्रा एडवोकेट, योगेश कुमार द्विवेदी एडवोकेट एवं सुरेश कुमार पाठक एडवोकेट ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के दो पद के लिए आशुतोष कुमार दूबे एवं गीता गौर तथा उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे के दो पद के लिए आशीष शुक्ला एवं मोहित कुमार मिश्रा ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। कोषाध्यक्ष पद हेतु प्रदीप कुमार सिंह एडवोकेट,बंशीधर पाण्डेय एडवोकेट एवं सुधी नारायण देव पाण्डेय एडवोकेट ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। संयुक्त मंत्री प्रशासन हेतु संतोष कुमार सिंह पटेल एडवोकेट,संयुक्त मंत्री पुस्तकालय पद हेतु शैलेंद्र कुमार केसरवानी एडवोकेट , संयुक्त मंत्री प्रशासन हेतु विवेक कुमार पाण्डेय एडवोकेट ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसी प्रकार से सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष से ऊपर के छह पदों के लिए क्रमशः अरुण कुमार पाण्डेय एडवोकेट,ओम कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट ,परवेज अख्तर खान एडवोकेट,यशवंत कुमार सिंह एडवोकेट, रमाशंकर चौधरी एडवोकेट एवं सर्वेश कुमार मिश्रा एडवोकेट तथा सदस्य कार्यकारिणी 15 वर्ष के नीचे छह पदों के लिए क्रमशः अरविंद कुमार पाण्डेय एडवोकेट,आशुतोष कुमार पाठक एडवोकेट,कमलेश कुमार पाण्डेय एडवोकेट, कमलेश सिंह पटेल एडवोकेट, दिनेश धर दूबे एडवोकेट व शेफाली गुप्ता एडवोकेट ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुरेश सिंह एडवोकेट ने बताया कि 7 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच, आपत्ति, निस्तारण, पर्चा वापसी होगी। 8 जनवरी को वैध प्रत्याशियों की सूची जारी होगी और मतदाता सूची का वितरण होगा। 9 जनवरी को टेंडर मतदान, 13 जनवरी को मतदान व 14 जनवरी को मतगणना के बाद विजयी पदाधिकारियों की घोषणा के साथ ही एल्डर कमेटी चेयरमैन द्वारा शपथ दिलाई जाएगी।मंगलवार को प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ वकील मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया गया। जिसकी वजह से कचहरी परिसर में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है।

शोहरतगढ़ पुलिस ने साइबर अपराध व हेल्पलाइन की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं जागरूकता के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज–5.0 के अंतर्गत थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम मकडौर टोला तेलडिहवा में जन चौपाल (बहू–बेटी सम्मेलन) का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी निरीक्षक थाना शोहरतगढ़ नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। यह आयोजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर अभिषेक महाजन के निर्देशों के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में दिनांक 06 जनवरी 2026 को किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, महिला संबंधित अपराधों से बचाव, साइबर अपराधों से सुरक्षा तथा पीड़ित महिलाओं की काउंसलिंग की गई। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए। महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी दी गई, जहां वे अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। इसके साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, 1090, 181, 1076, 112, 1098, 108, 101, 14567 व 1930.के बारे में विस्तार से बताया गया। यातायात नियमों के पालन को लेकर भी जागरूक किया गया। बाल कल्याण अधिकारी अमन शर्मा की संयुक्त टीम द्वारा बाल विवाह रोकथाम पर जागरूकता अभियान चलाया गया तथा उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान पप्पू गुप्ता, आंगनबाड़ी कार्यकत्री अनीता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस दौरान उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, कांस्टेबल पवन मौर्य तथा महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी, शोभा भारती व अंबिका उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ डिजिटल क्रॉप सर्वे के संबंध में डीएम ने की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा के कलेक्ट्रेट सभागार में श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में राजस्व विभाग एवं .षि विभाग के अधिकारियों के साथ डिजिटल क्रॉप सर्वे के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक का उद्देश्य डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा करना तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश देना था।डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि डिजिटल क्रॉप सर्वे शासन की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका सीधा लाभ किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं,फसल बीमा, मुआवजा एवं सहायता कार्यक्रमों में प्राप्त होता है। इसलिए सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही

स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समय से सर्वे पूर्ण करने के निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि डिजिटल माध्यम से किए जा रहे फसल सर्वे से भूमि उपयोग एवं फसल पैटर्न की सटीक जानकारी उपलब्ध होती है,जिससे नीति निर्धारण एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आती है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सर्वे के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा सही एवं अद्यतन डेटा अपलोड किया जाए।मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अंकिता जैन ने प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर दिया।मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश ने राजस्व एवं .षि विभाग के बीच समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के सफल क्रियान्वयन के लिए टीम वर्क अत्यंत आवश्यक है।बैठक में समस्त उपजिलाधिकारीगण,जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायत अधिकारी लालजी दुबे तथा उपनिदेशक .षि प्रेम कुमार ठाकुर ने अपने–अपने विभागों से संबंधित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सर्वे कार्य में आ रही समस्याओं से भी जिलाधिकारी को अवगत कराया, जिनके समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा ग्राम स्तर तक सतत समीक्षा सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि समय से शत–प्रतिशत सर्वे पूर्ण कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है,जिससे किसानों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

शोहरतगढ़ हुआ गर्म भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से की मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा–302 शोहरतगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी श्याम जायसवाल ने अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक राज्यमंत्री सहित सांसद मीरजापुर श्रीमती अनुप्रिया पटेल से सोमवार को उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर स्नेहिल भेंटकर नव वर्ष 2026 के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना भी प्रेषित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जायसवाल से विस्तारपूर्वक विधानसभा शोहरतगढ़ को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए नव

वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आपको बता दें कि भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने नव वर्ष के प्रथम दिन गुरुवार से अब तक जारी अपने शुभकामना सन्देश में राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल नव बर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के निरन्तर प्रयासों से देश और प्रदेश विकास के नये आयाम छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी और विकासपरक योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है, जिससे प्रदेश निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अपना दल (एस) एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन व उर्वरक राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल के संसदीय क्षेत्र मीरजापुर जनपद उत्तर प्रदेश का उभरता हुआ जिला बनकर सामने आ रहा है। केन्द्र और प्रदेश सरकार की दूरगामी सोच, मजबूत नीतियों और योजनाओं के प्रभाव से मीरजापुर लगातार नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। श्याम जायसवाल ने विश्वास जताया कि मां दुर्गा की .पा से मीरजापुर शीघ्र ही पर्यटन, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई पहचान बनायेगा। श्याम जायसवाल ने केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल को नव वर्ष 2026 के अवसर पर उत्तर प्रदेश सहित उनके संसदीय क्षेत्र मीरजापुर के जनपदवासियों से विकास यात्रा में सहभागी बनने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में व्यापक एवं सघन जन–जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग से सीधा संवाद स्थापित कर सुरक्षा, सतर्कता एवं आत्मरक्षा का संदेश प्रभावी रूप से पहुँचाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात 'डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी. मिशन शक्ति 5.0 के कुशल नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मिश्रित खेती से किसानों की आय बढ़ाने में सहायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक परिसर के .षि विभाग बीज गोदाम के

प्रांगण में मंगलवार को .षि विभाग ने नेशनल मिशन आन नेचुरल फॉर्मिंग योजना के तहद .षि गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे किसानों को जैविक और मिश्रित खेती के साथ पशु पालन,मछली पालन के प्रति जागरूक किया गया। गोष्ठी के मुख्यातिथि ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोंड ने कहा कि किसान हमारे जीवन रेखा का आधार है।ऐसे में किसानों को स्वाभिमान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे पूरक खेती पर ध्यान दे और गेहूं,मटर, सरसो, के साथ जौ, और साग, सब्जी का उत्पादन करे।बरसात में मोटे अनाज को बढ़वा दे और कोशिश करे कि जैविक खेती करे।जिससे अन्न भी सही हो और आप के स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त हो।कहा कि आज मोटे अनाज और जैविक उत्पाद की मांग तेजी से बढ़ा है। रणवीर सिंह सहायक विकास अधिकारी .षि,सहायक तकनीकी प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि .षि विभाग किसानों के उत्पादन बढ़ाने और आय दो गुनी करने के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। जरूरत है कि प्रमाणित बीजों का चुनाव कर फसल उगाए और समस्या आने पर विशेषज्ञों की राय लें। मौके पर राहुल, मौर्य,विकास कुमार, सुनील ,अच्छे लाल,मनरूप,संतोष कुमार, समेत सैकडों किसान उपस्थित रहे।

हिंदू सुरक्षित विश्व सुरक्षित : संत ओम प्रपन्नाचार्य महराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पचपेड़वा विकास खंड के इमलिया कोडर,थारू सांस्तिक संग्रहालय सभागार में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता संत ओम प्रपन्नाचार्य जी महराज ने हिंदू जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू सुरक्षित होगा तो विश्व सुरक्षित होगा इसके लिए हिंदुओ को अपने राष्ट्र नायक पर विश्वास करना होगा,उन्होंने कहा कि हमारे एक हाथ में विष है और एक हाथ में अमृत अब हमको यह तय करना है कि विष पान करे या अमृत।थारू समाज से आई महिलाओं को नारी शक्ति का नाम देकर संबोधित करते हुए कहा महाराणा प्रताप और विरशा मुंडा को जन्म देने वाली माताओं का जन्म कब होगा,धरती माता

और दैविक शक्ति प्रतीक्षा में है ।संत ने रामायण काल का कैकेई और शबरी ,मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का भी उदाहरण दिया कि देश समाज का भला करने के लिए कैसे कैसे त्याग किया। हिंदू अपने को भूल कर अपनो के शत्रु बन जाता है,राम जी ने अपने के अपनत्व को जगाया।हमारे जीवन में ऐसे लोग हैं जो स्वार्थ में आकर हमारी बहु बेटियो को अंधा बना रहे हैं, उन लोगो से सावधान से संगठित होकर बचना है। हिंदू सम्मेलन

में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अवध प्रांत के प्रचार प्रमुख यशोदा नंदन जी भारत माता के जयकारे लगाते हुए हिंदुओ को एकजुट रहने की अपील किया और समाज, राष्ट्र और परिवार से जुड़े कई अहम मुद्दों पर अपने विचार रखे। आर एस एस के जिला प्रचारक जितेंद्र जी ने संघ गीतष्चंदन है इस देश की माटी, तपो भूमि हर ग्राम है,हर बाला देवी को प्रतिमा बच्चा बच्चा राम है॰ गाकर कहा कि सामाजिक एकता की पहली शर्त मन से भेदभाव की भावना को खत्म करना और हर व्यक्ति को अपना समझना है। मंच संचालन कर रहे आलोक पाठक ने अपने मधुर वाणी से उपस्थित मंचासीन और श्रोता का मन मोह लिया।इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक राम सुंदर, जिला कार्यवाह किरीट मणि,जिला सह संघचालक ए पी सिंह, सुभाष यादव,भाजपा नेता राम सरन गुप्ता, भाजपा के कामेश्वर मिश्रा,गोविंद सिंह,जिला पंचायत सदस्य शेखर यादव,बबलू चतुर्वेदी प्रधान,विजय पाल प्रजापति,जानकी पाल,अरुण देव पाठक,सहित भारी संख्या में हिंदू शामिल रहे।

देवरी कला में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर ब्लॉक के देवरी कला ग्राम में ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ इन दिनों पूरे क्षेत्र को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर रहा है। इस पावन आयोजन में वृन्दावन धाम से पधारीं सुप्रसिद्ध कथा व्यास पूज्य ज्ञानमती जी के मुखारविंद से बांके बिहारी लाल के दिव्य चरित्र पर आधारित अमृतमयी कथा का रसपान कर क्षेत्रवासी स्वयं को धन्य अनुभव कर रहे हैं। कथा के दौरान भगवान श्री.ष्ण की लीलाओं, भक्ति, प्रेम और धर्म के गूढ़ संदेशों को

सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा का शुभारंभ 1 जनवरी को विधिवत पूजन–अर्चन के साथ हुआ, जबकि 7 जनवरी को हवन–पूजन एवं विशाल भंडारे के साथ कथा का भव्य विश्राम होगा। इस अवसर पर यूथ आइकॉन सौरभ कांत पति तिवारी एवं समाजसेवी अखिलेश द्विवेदी जी ने कथा स्थल पर पहुंचकर विधिवत पूजा–अर्चना एवं आरती की। उन्होंने कथा व्यास पूज्य ज्ञानमती जी द्वारा प्रवाहित की जा रही इस अमृतमयी भागवत कथा को अधिक से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा श्रवण करने का भावपूर्ण अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि तीनों लोकों के स्वामी, मदन मोहन, मुरलीधर भगवान श्री.ष्ण की दिव्य लीला कथा सुनने का पुण्य अवसर इस क्षेत्र के लोगों को प्राप्त हो रहा है। सौरभ कांत पति तिवारी ने क्षेत्रवासियों से इस पावन आयोजन में यथासंभव सहयोग प्रदान करने की भी अपील की। इस श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सफल आयोजन में सुरेश कुमार गुप्ता जी, राम विलास केशरी,कुलभूषण पाण्डेय,बालेन्द्र गुप्ता (अधिवक्ता), प्रदीप एवं संदीप (समस्त परिवार), परमेश्वर गुप्ता, महेन्द्र सिंह, राहुल सिंह पटेल,अर्चना द्विवेदी,विद्यवाती, सुमन केशरी,प्रमिला एवं राजेन्द्र सिंह सहित अनेक सहयोगियों एवं ग्रामवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनके सहयोग से यह आयोजन भव्य एवं अनुकरणीय बन सका। समस्त आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों के सामूहिक प्रयास से यह धार्मिक आयोजन न केवल क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना का संचार कर रहा है, बल्कि समाज को संस्कार, सद्भाव और भक्ति के सूत्र में भी सशक्त रूप से पिरो रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित | आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

को–एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर : डायना पेंटी

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह–कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने आईएएनएस से बात की। अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को–एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह–कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर। डायना ने कहा, ष्डू यू वाना पार्टनरष् में मेरी सह–कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है।ष डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ–स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन–स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है। तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक–दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक–दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक–दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच–समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक–दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म–नियंत्रण बहुत जरूरी है।

सिंगल पापा का आ रहा है दूसरा सीजन, फैमिली कॉमेडी का मजा होगा दोगुना

फैमिली कॉमेडी वेब सीरीज सिंगल पापा दर्शकों के बीच मजेदार कहानी और किरदारों के कारण लोकप्रिय हो रही है। कुणाल खेमू के मुख्य किरदार गौरव और छोटे से बच्चे अमूल के

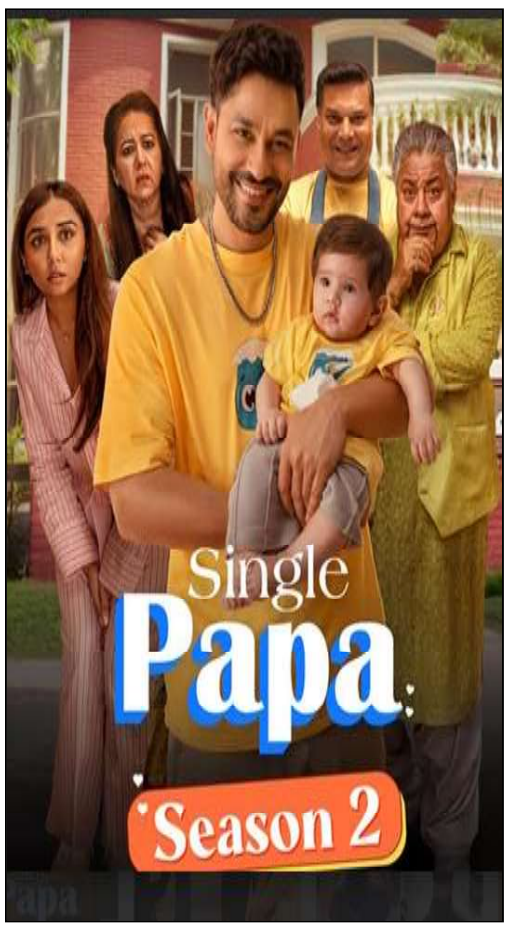

साथ गहलोत परिवार की कहानी ने दर्शकों को हंसाने के साथ–साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ा है। शो की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह नेटफ्लिक्स पर दो हफ्ते तक लगातार ट्रेंड करता रहा। इस बीच अब सिंगल पापा के दूसरे सीजन की चर्चा शुरू हो गई है, यानी दर्शकों को जल्द ही गौरव और उसके परिवार के नए रोमांच देखने को मिलेंगे। सिंगल पापा के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शशांक खेतान ने बताया कि यह कहानी शुरू से ही परिवार को केंद्र में रखकर सोची गई थी। उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार और जुड़ाव इस बात का सबूत है कि यह कहानी केवल एक सीजन में खत्म नहीं हो सकती। सीजन 2 में दर्शकों को परिवार की नई चुनौतियां, रिश्तों की मिठास और खुशियों का विस्तार देखने को मिलेगा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना काफी मजेदार रहा।

इस सीरीज में कुणाल खेमू के अलावा, प्राजक्ता कोली, मनोज पाहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहैल नय्यर, दयानंद शेट्टी, आयशा अहमद, ध्रुव राठी, और ईशा तलवार जैसे कई कलाकार भी हैं। यह पूरी टीम मिलकर शो को और मजेदार और दिलचस्प बनाती है।

कहानी कुणाल खेमू के किरदार गौरव गहलोत के इर्द–गिर्द घूमती है, जो कभी–कभी बच्चे जैसा व्यवहार करता है। कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आता है जब गौरव अपने तलाक के तुरंत बाद एक बच्चा गोद लेने का फैसला करता है, जिससे उसका परिवार चौंक जाता है।

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, दर्शकों का प्यार और उनकी प्रतिक्रिया ने दिल को छू लिया। लोगों ने शो देखकर हंसी, भावनाएं, गोद लेने, प्यार और परिवार जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस कहानी का इतनी जल्दी नंबर 1 बनना और ग्लोबल ट्रेंड करना यह दिखाता है कि सच्ची और सरल भावनाएं हमेशा दर्शकों से जुड़ती हैं।

बॉलीवुड में अब टैलेंट की राह होगी आसान ? दीपिका पादुकोण ने लॉन्च किया `द ऑनसेट प्रोग्राम

बॉलीवुड अभिनेत्री सह निर्माता दीपिका पादुकोण ने सोमवार को अपना जन्मदिन मनाया और इस अवसर पर एक नयी पहल शुरू की। दीपिका ने कहा कि उनकी यह पहल अगली पीढ़ी की रचनात्मक प्रतिभाओं को सशक्त बनाएगी। 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'पद्मावत', 'पिकू' और 'पठान' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं दीपिका ने अपने 'क्रिएट विद मी' मंच के अगले अध्याय द ऑनसेट प्रोग्राम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य उभरते कलाकारों को भारतीय फिल्म, टेलीविजन और विज्ञापन उद्योग में करियर बनाने के लिए सशक्त बनाना है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा करते हुए दीपिका ने कहा, ''पिछले एक साल से मैं देश और विदेश की अद्भुत रचनात्मकता की धनी प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करने के बारे में दृढ़ता से सोच रही हूं, जहां उन्हें देखा, सुना और अनुभव किया जा सके। मैं 'द ऑनसेट प्रोग्राम' के आरंभ की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं और वास्तव में आप सभी को रचनात्मक प्रतिभा की धनी अगली पीढ़ी से परिचित कराने के लिए उत्सुक हूं।'' जीवन के 40 साल पूरे करने वालीं दीपिका को उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से होनहार प्रतिभाओं को प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए भी एक मंच के रूप में काम करेगा जिनके पास अपनी परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए प्रासंगिक विशेषज्ञता और अनुभव है। इसके अलावा एक ट्रेनिंग और मौके देने वाले इनिशिएटिव के तौर पर, द ऑनसेट प्रोग्राम को मुख्य क्रिएटिव और टेक्निकल डिपार्टमेंट में उभरते टैलेंट को पहचानने और सपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके पहले फेज में, यह प्रोग्राम राइटिंग, डायरेक्शन, कैमरा, लाइटिंग, एडिटिंग, साउंड डिजाइनिंग, आर्ट डायरेक्शन, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री और प्रोडक्शन को कवर करेगा।

म्यूजिक चार्ट पर कब्जा! द फेट ऑफ ओफेलिया के साथ टेलर स्विफ्ट ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड, नंबर 1 पर बनाया सबसे लंबा सफर

टेलर स्विफ्ट का हिट गाना ष्द फेट ऑफ ओफेलियाष आधिकारिक तौर पर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। 10 जनवरी के हफ्ते में, स्विफ्ट के 2025 एल्बम द लाइफ ऑफ ए शोगर्ल का लीड सिंगल बिलबोर्ड के हॉट 100 चार्ट पर नंबर 1 पर लौट आया, जिससे यह कुल नौ हफ्ते तक टॉप पर रहा। इस शानदार नई उपलब्धि का मतलब है कि द फेट ऑफ ओफेलिया ने आधिकारिक तौर पर सिंगर के पिछले 2022 के चार्ट–टॉपर, एंटी–हीरो को पीछे छोड़ दिया है और उनका सबसे लंबे समय तक नंबर 1 रहने वाला सिंगल बन गया है। एंटी–हीरो भी 2022 में स्विफ्ट के 10वें स्टूडियो एल्बम, मिडनाइट्स के रिलीज होने के बाद चार्ट में 8 हफ्ते तक टॉप पर रहा था। यह उपलब्धि खास तौर पर इसलिए ध्यान देने लायक है क्योंकि छुट्टियों के मौसम में मुकाबला बहुत ज़्यादा होता है, जिसमें अक्सर नए सीजनल ट्रैक आने से पुराने हिट गाने रैंकिंग में नीचे चले जाते हैं। ष्द फेट ऑफ ओफेलियाष न सिर्फ टॉप पर लौटा, बल्कि उसने स्विफ्ट के पिछले हिट ष्एंटी–हीरोष को भी पीछे छोड़ दिया, जिसने पहले सबसे ज़्यादा लगातार हफ्तों तक नंबर 1 पर रहने का रिकॉर्ड बनाया था। अपने बड़े चार्ट इतिहास के मामले में, स्विफ्ट की यह ताजा उपलब्धि उन्हें बिलबोर्ड हॉट 100 के इतिहास के टॉप कलाकारों में शामिल करती है। हालिया इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नौवें हफ्ते के साथ, वह चार्ट के इतिहास में चौथे सबसे ज़्यादा नंबर 1 सिंगल्स के अपने दावे को और मजबूत करती हैं। उनके गानों की लगातार सफलता स्विफ्ट की स्थायी लोकप्रियता और बड़े दर्शक वर्ग के बीच उनकी अपील को दिखाती है। इस हफ्ते हॉट 100 पर अन्य उल्लेखनीय परफॉर्मेंस में हंटरध्क्स का गोल्डन नंबर 2 पर पहुंचना और एलेक्स वॉरेन का ऑर्डिनरी और ओलिविया डीन का मैन आई नीड टॉप पांच में शामिल होना शामिल है। एला लैंगली का चूजिन टेक्सास टॉप दस में शामिल हुआ है, जो एक गतिशील और प्रतिस्पर्धी सिंगल्स चार्ट का संकेत देता है। इस हफ्ते बिलबोर्ड हॉट 100 में केहलानी, सोम्बर, लियोन थॉमस और जस्टिन बीबर जैसे अन्य कलाकारों की लगातार सफलता भी देखी गई, जिनमें से हर किसी ने टॉप दस में जगह बनाई। स्विफ्ट का अपना ओपलाइट भी नंबर 8 पर है, जो मौजूदा चार्ट पर उनके प्रभाव की व्यापकता को दर्शाता है। एल्बम के मोर्चे पर, स्विफ्ट अपना दबदबा बनाए हुए हैं क्योंकि उनका एल्बम द लाइफ ऑफ ए शोगर्ल बिलबोर्ड 200 पर लगातार बारहवें हफ्ते नंबर 1 पर बना हुआ है। यह लगातार प्रदर्शन संगीत इंडस्ट्री में सबसे आगे उनकी स्थिति को और मजबूत करता है। टॉप दस में शामिल अन्य एल्बमों में मॉर्गन वॉलन का आई एम द प्रॉब्लम, केपॉप डेमन हंटर्स साउंडट्रैक, ओलिविया डीन का द आर्ट ऑफ लविंग और सबरीना कारपेंटर का मैन्स बेस्ट फ्रेंड शामिल हैं, जो वर्तमान में श्रोताओं के बीच लोकप्रिय विभिन्न शैलियों को उजागर करते हैं। जैसे ही स्विफ्ट इस मील के पत्थर का जश्न मनाती हैं, उनका चार्ट इतिहास लगातार हिट गानों की एक श्रृंखला को दर्शाता है। ओफेलिया, जो छुट्टियों के सिंगल्स की भीड़ के कारण नंबर 28 पर चली गई थी, सिंगल्स चार्ट पर नौवें हफ्ते फिर से टॉप पर लौट आई है, और एंटी–हीरो को पीछे छोड़कर उसके 13 चार्ट–टॉपर्स में सबसे लंबे समय तक राज करने वाला हिट बन गया है।ष इसके अलावा, ब्लैंक स्पेस सात हफ्तों तक नंबर 1 पर रहा, उसके बाद क्रूएल समर चार हफ्तों तक, शेक इट ऑफ चार हफ्तों तक, लुक व्हाट यू मेड मी डू तीन हफ्तों तक और वी आर नेवर गेटिंग बैक टुगेदर तीन हफ्तों तक रहा।ष

फिट होने पर भी हो सकता है फैटी लिवर, डॉक्टर ने बताई असली वजह और बचाव के खास उपाय

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो पतले या सामान्य वजन वाले लोगों में भी नॉन–ओबेस फैटी लिवर काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि ऐसे लोग इस समस्या को पहचान नहीं पाते हैं। जिस कारण यह बीमारी धीरे–धीरे गंभीर रूप ले लेती है।

ज्यादातर लोग मानते हैं कि फैटी लिवर सिर्फ मोटापे या खराब लाइफस्टाइल वाले लोगों को होता है। लेकिन सच्चाई यह है कि कई बार बिल्कुल फिट दिखने वाले लोग भी फैटी लिवर का शिकार बन जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो पतले या सामान्य वजन वाले लोगों में भी नॉन–ओबेस फैटी लिवर काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह इसलिए भी खतरनाक है, क्योंकि ऐसे लोग इस समस्या को पहचान नहीं पाते हैं। जिस कारण यह बीमारी धीरे–धीरे गंभीर रूप ले लेती है।

फिट दिखना अंदरूनी सेहत का संकेत नहीं

सबसे बड़ी वजह यह है कि फिट दिखना हमेशा अंदरूनी सेहत का संकेत नहीं होता है। कुछ लोग बाहर से दुबले–पतले दिखाई देते हैं, लेकिन उनके शरीर में विजरल फैट का मात्रा ज्यादा होती है। यह छिपा हुआ फैट लिवर में जाकर ट्राइग्लिसराइड्स जमा करता है। फिर धीरे–धीरे यह फैटी लिवर का रूप ले लेता है। इसके अलावा असंतुलित खानपान, नींद की कमी, जेनेटिक फैक्टर, कम प्रोटीन और उच्च कार्ब डाइट, हल्की–फुल्की शारीरिक एक्टिविटी और बार–बार बाहर के खाने की भी प्रमुख भूमिका होचती है। में फ्राइड फूड, शुगर और प्रोसेस्ड आइटम्स शामिल होता है। जोकि लिवर पर सीधा असर डालती है। वहीं पतले लोगों में एल्कोहल सेवन भी फैटी लिवर का आम कारण है। भले ही शरीर फिट दिखे, लेकिन नियमित शराब का सेवन लिवर में फैट जमा करती है और सूजन बढ़ाकर फाइब्रोसिस का खतरा बढ़ाती है। इस तरह से इंसुलिन रेसिस्टेंस, थायरॉयड असंतुलन और पीसीओएस जैसी स्थिति दुबले–पतले लोगों में फैटी लिवर की वजह बन सकती है।

बचावः सबसे पहले हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक बार लिवर फंक्शन टेस्ट और अल्ट्रासाउंड करवाना चाहिए। फिर चाहे वह कितना भी हेल्दी और फिट क्यों न दिखता हो। साथ ही डाइट में शुगर युक्त पेय, रिफाइंड कार्ब्स, जंक फूड और डीप फ्राइड स्नैक्स का कम रखें। फल, प्रोटीन, हरी सब्जियां, ओमेगा 3 और फाइबर युक्त भोजन लें। रोजाना कम से कम 30–40 मिनट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, ब्रिस्क वॉक जरूर करना चाहिए। क्योंकि यह एक्सरसाइज लिवर में जमे फैट को घटाता है। इसके अलावा तनाव कम करें, शराब का सेवन न्यूनतम रखें और नींद पूरी लें।